शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 22 | गुवाहाटी | सोमवार, 19 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य को सुरक्षा देने में विफल साबित हुई शर्मा सरकार — पेज 2
बम की जानकारी देने वाले को पुलिस देगी 5 लाख का इनाम — पेज 3
हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री — पेज 5
पेरिस ओलंपिक के हॉकी खिलाड़ियों पर पंजाब सरकार ने की धनवर्षा — पेज 7

जल्द नहीं मिला न्याय तो बंद हो सकती हैं इमरजेंसी सेवाएं : आईएमए

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से हुए दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर पूरे देश में डॉक्टर्स का विरोध-प्रदर्शन रविवार को भी जारी है। प्रदर्शन देश के अलग-अलग राज्यों में चल रहे हैं। डॉक्टर्स अपनी सहकर्मी के लिए लल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं। महिला डॉक्टरों का कहना है कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना ने इस बात को पुख्ता कर दिया है कि साल 2012 में दिल्ली में चलती बस में छात्रा (निर्भया) के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के बाद कड़े कानूनों के बावजूद भारत में महिलाएं असुरक्षित हैं। खबरों के मुताबिक पीड़िता के पिता ने कहा कि मेरी बेटी चली गई, लेकिन लाखों बेटे और बेटियां अब मेरे साथ हैं। इससे मुझे बहुत ताकत मिली है और मुझे लगता है कि हम इससे कुछ हासिल करेंगे। रविवार को सुबह 6 बजे डॉक्टरों की 24 घंटे की हड़ताल समाप्त हुई। आईएए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि भारत में 60 फीसदी डॉक्टर महिलाएं हैं, इसलिए उन्हें वह सुनिश्चित करें कि अस्पताल के कर्मचारियों को हवाई अड्डों जैसे सुरक्षा प्रोटोकॉल से संरक्षित किया जाए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा कि सभी स्वास्थ्य सेवा पेशेवर कार्यस्थल पर शांतिपूर्ण माहौल, सुरक्षा और संरक्षा के हकदार हैं। ऊधर पीएम के गृह राज्य गुजरात में, -शेष पृष्ठ दो पर

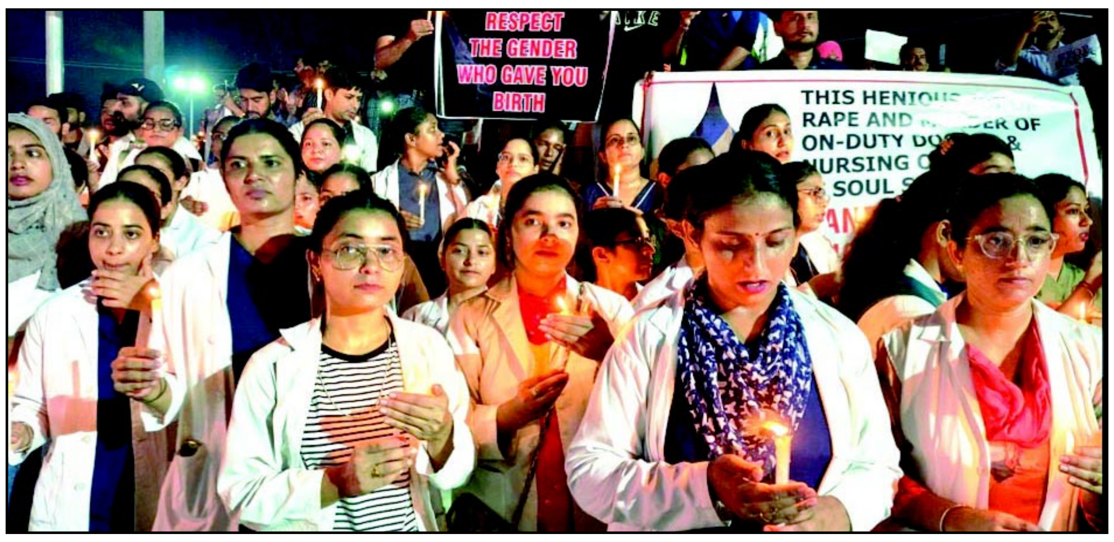

सॉल्टलेक में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज, कई घायल

सॉल्टलेक। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे फुटबॉल समर्थकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। इससे कई लोगों के घायल होने की आशंका है। ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और हड़ताल हो रहे हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पास धारा 144 लागू कर जुलूस और प्रदर्शन कर दिया था। इस बीच, आरजी कर मेडिकल कॉलेज से सटे क्षेत्र के बाद इस बार ईएम बाईपास, बेलियाघाटा कोलकाता पुलिस क्षेत्र, कोलकाता पुलिस आयुक्त द्वारा धारा 163 (पहले 144) नोटिस जारी किया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

एससी ने लिया स्वतः संज्ञान, 20 को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से रेप-हत्या मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। 9 अगस्त को हुई इस घटना से देश भर में आक्रोश फैल गया, जिसके कारण देश के कई राज्यों में मेडिकल पेशेवरों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन और हड़ताल का एलान किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 20 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट का ये हस्तक्षेप बढ़ते प्रदर्शन और लोगों के दबाव के बीच आया है। दरअसल, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले दो वकीलों और तेलंगाना के एक डॉक्टर ने सीजेआई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। बता दें कि इस मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है। इस हादसे के बाद से भारत के मेडिकल पेशेवरों, -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षाबंधन का चंद्रमा होगा सुपरब्लूमून

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए रक्षाबंधन का पर्व खास होने जा रहा है। इस दिन सोमवार (19 अगस्त) की शाम को आसमान में सावन पूर्णिमा का चंद्रमा सुपरमून के रूप मे दिखने जा रहा है। यह आम पूर्णिमा के चंद्रमा से ज्यादा बड़ा और अधिक चमकदार होगा। यह साल 2024 का पहला सुपरब्लूमून होगा। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने रविवार को बताया कि पृथ्वी के चारों ओर अंडाकार पथ में परिक्रमा करता पूर्णिमा का चंद्रमा पास के बिंदु पर होता है तो चंद्रमा बड़ा और चमकदार दिखता है। इसे सुपरमून कहते हैं। सोमवार को चंद्रमा 3 लाख 61 हजार 969 किलोमीटर की दूरी पर रहते हुए पृथ्वी से -शेष पृष्ठ दो पर

विश्व के प्रत्येक हिंदू के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कर खड़ा है विहिप

मुंबई (हि.स.)। अखंड भारत में जहां जहां हिंदू घटा, देश बंटा। धर्मांतरण बढ़ा, जिहादी अतिवाद व आतंकवाद पनपा और वहां की संस्कृति व स्वाभिमान पर अनगिनत आघात हुए। उक्त उद्गार आर्य समाज सांताक्रुज में आयोजित श्रावणी उपाक्रम एवं प्रतिभा पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने व्यक्त किए हैं। रविवार को शिवाजी महाराज की पुण्य धरा तथा महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज की जन्म स्थली मुंबई में उन्होंने शंखनाद -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

साइकिल फैक्ट्री फ्लाईओवर : ट्रैफिक पुलिस ने यातायात के लिए जारी की नई एडवाइजरी

गुवाहाटी। साइकिल फैक्ट्री फ्लाईओवर के लिए चल रहे फाउंडेशन कार्य के जवाब में, गुवाहाटी ट्रैफिक पुलिस ने शहर में वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए एक नई ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। आज से लागू होने वाली यह एडवाइजरी, फाउंडेशन कार्य के विस्तार को समायोजित करने के लिए यातायात मार्गों और नियमों में महत्वपूर्ण बदलावों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जो अब साइकिल फैक्ट्री से लेकर बरसापाड़ा तक फैली हुई है। ये बदलाव अगली सूचना तक लागू रहेंगे। परामर्श के अनुसार बिरुबाड़ी तिनियाली और बरसापाड़ा तिनियाली के बीच सड़क एकतरफा मार्ग के रूप में संचालित होगा। आर्य नगर या बिरुबाड़ी तिनियाली से आने वाले वाहनों को बरसापाड़ा तिनियाली की ओर जाने की अनुमति होगी। उधर प्रारंभिक चरण का कार्य पूरा होने पर, बिरुबाड़ी तिनियाली से साइकिल फैक्ट्री प्वॉइंट तक के हिस्से को दो-तरफा यातायात के लिए पुनः खोल -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में मेडिकल कॉलेजों में नवजात शिशुओं के लिए जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू

गुवाहाटी। असम सरकार ने नए माता-पिता के लिए नौकरशाही प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि अब राज्य भर के सभी मेडिकल कॉलेजों में नवजात शिशुओं को जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड जारी किए जाएंगे। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर शुरू हुई इस पहल का उद्देश्य नए माता-पिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना है। राज्य भर में 12 मेडिकल कॉलेजों में जन्म प्रमाण पत्र और आधार नामांकन के लिए केंद्र स्थापित किए गए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि यह कदम हमारे मेडिकल कॉलेजों में परेशानी मुक्त जन्म और आधार पंजीकरण सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हाल ही में जिला आयुक्त सम्मेलन के परिणामों में से एक था। इस कदम से माता-पिता को अपने नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में लगने वाले समय और प्रयास में काफी कमी आने की उम्मीद है। यह प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने और सरल बनाने के सरकार के व्यापक प्रयासों के अनुरूप भी है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो गुजर गया उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतिंत होना चाहिए। समझदार लोग केवल वर्तमान में ही जीते हैं।

– आचार्य चाणक्य

सीएम सिद्धारमैया मामले में भड़की कांग्रेस, आज करेगी प्रदर्शन

बेंगलुरु। मूडा में हुए कथित भूमि घोटाले को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लगातार आरोप लग रहे हैं। इस मामले में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। अब इसको लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है, कांग्रेस का कहना है कि वो इस मामले में विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने इस मामले में राज्यव्यापी प्रदर्शन का एलान किया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को तीन कार्यकर्ताओं, टीजे अब्राहम, प्रदीप कुमार एसपी और स्नेहमयी कृष्णा की शिकायतों के आधार पर मैसूर शहरी विकास -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड मुक्ति मोर्चा के खिलाफ बगावत पर उतरे चंपई सोरेन

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने अपनी पार्टी *झारखंड मुक्ति मोर्चा* के खिलाफ बगावत कर दी है। उन्होंने रविवार को अपने *एक्स* हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विधायक दल की बैठक में बुलाकर उनसे इस्तीफा मांग लिया, जिससे उनके आत्म-सम्मान पर चोट लगी। उन्होंने आगे बताया कि इस्तीफे के बाद उनके साथ कई अपमानजनक घटनाएं हुईं। इसके बाद वह वैकल्पिक राह तलाशने हेतु मजबूर हो गए। मीडिया में चल रही अटकलों का जिक्र करते हुए सोरेन ने लिखा कि जोहार साथियों, आज समाचार देखने के बाद, आप सभी के मन में कई सवाल उमड़ रहे होंगे। आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने कोल्हान के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक गरीब किसान के बेटे को इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया। उन्होंने आगे लिखा कि अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत में औद्योगिक घरानों के खिलाफ मजदूरों की आवाज उठाने से -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसे गए भोजन में निकली इल्ली

भोपाल (हि.स.)। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों को किस कदर घटिया भोजन परोसा जा रहा है, इसकी एक बानगी रविवार को फिर सामने आई। भोपाल से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में एक यात्री को परोसे गए उपमा में इल्ली (एक प्रकार का कीट) निकली। यह देख यात्री भड़क उठा और आसपास बैठे अन्य यात्रियों ने भी हंगामा करना शुरू कर दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, शिकायत मिलने पर ट्रेन में मौजूद स्टाफ ने तुरंत यात्री को दूसरा खाना उपलब्ध कराया। वहीं इस लापरवाही को -शेष पृष्ठ दो पर

शाही मंजूरी के बाद पैतोंगतार्न शिनावात्रा बनीं थाईलैंड की प्रधानमंत्री

बैंकॉक। थाइलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी पैतोंगतार्न शिनावात्रा रविवार को शाही मंजूरी पत्र मिलने के बाद देश की प्रधानमंत्री बन गईं। थाइलैंड की संसद ने थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी पैतोंगतार्न शिनावात्रा को शुक्रवार को देश की नयी प्रधानमंत्री चुना था। पूर्ववती प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को इससे दो दिन पहले संवैधानिक न्यायालय ने नैतिकता उल्लंघन के कारण पद से हटा दिया था। पैतोंगतार्न अब थाविसिन की जगह फेउ थाई पार्टी की नयी नेता होंगी और उस गठबंधन का नेतृत्व करेंगी, -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए के तहत पाकिस्तान के 188 हिंदुओं को मिली भारत की नागरिकता

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान की। खबरों के अनुसार इस अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार पड़ोसी देशों के हिंदू, जैन, बौद्ध और सिखों सहित उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने के लिए दृढ़ है और उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गुट की तुष्टिकरण की राजनीति की भी आलोचना की। अमित शाह ने कहा कि मैं उन परिवारों को बधाई देता हूं जिन्हें नागरिकता मिली। मुझे और भी खुशी है कि यह गुजरात में हो रहा है। सीएए लोगों को उनके अधिकार और न्याय देने की एक पहल है। कांग्रेस पार्टी ने 2014 तक कभी लोगों को उनका अधिकार नहीं दिया। लाखों-करोड़ों लोग अपने अधिकारों के लिए इंतजार करते रहे, लेकिन इंडिया ब्लॉक के तहत उन्हें कभी न्याय नहीं मिला। गौरतलब है कि गुजरात सरकार ने सीएए के तहत अहमदाबाद जिले में अब -शेष पृष्ठ दो पर

सावधान : मार्केट में आ गया सीमेंट से बना लहसुन, फेरीवाले ग्राहकों को लगा रहे चूना

नई दिल्ली। रसोई में बेहद जरूरी लहसुन के दाम आसमान छू रहे हैं। लहसुन खरीदना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है। लहसुन के कुछ कालाबाजारी करने वालों ने अजीब तरीके से शहरवासियों को धोखा देने का काम शुरू कर दिया है। लहसुन के कालाबाजारी करने वाले सीमेंट का लहसुन बेच रहे हैं। इस अजीबोगरीब धोखाधड़ी से उपभोक्ता भी हैरान रह गए हैं। अकोला शहर में एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी सुभाष पाटिल की पत्नी सुधाकर पाटिल ने अपने घर के सामने आए एक फेरीवाले से एक किलो लहसुन खरीदा। उसमें उन्हें लहसुन की कलियां दिखाई दीं जो बिल्कुल लहसुन जैसी ही लग रही थीं। लेकिन छिला न होने के कारण जब उन्होंने इसे चाकू से काटा तो पता चला कि यह सीमेंट को सफेद रंग से रंगकर बनाया गया नकली लहसुन है। कालाबाजारी करने वाले अधिक वजन होने के कारण इस तरह की धोखाधड़ी कर रहे हैं। इसलिए ग्राहकों को सावधान रहने की जरूरत है। अकोला शहर के अधिकांश हिस्सों में फेरीवाले हर दिन सब्जी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बम जैसी वस्तुएं मिलने पर भड़के गौरव गोगोई, कहा-

राज्य को सुरक्षा देने में विफल साबित हुई शर्मा सरकार

गुवाहाटी। असम में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर निशाना साधा है। गोगोई का कहना है कि अल्फा (आई) ने राज्य में 24 जगहों पर बम लगाने का दावा किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में 10 जगहों से बम जैसी वस्तुएं बरामद की गई हैं, ऐसे में सरकार आम लोगों को सुरक्षा दिलाने में विफल साबित हुई है। गौरव गोगोई ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पुलिस और खुफिया विभाग से भी सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि जब प्रतिबंधित संगठन द्वारा राज्य में अलग अलग जगहों पर संदिग्ध वस्तुओं को प्लांट किया जा रहा था, क्या उस समय पुलिस और खुफिया विभाग के अधिकारी सो रहे थे? उन्होंने आगे कहा कि अगर अल्फा-आई से जुड़े राज्य में अलग अलग जगहों पर संदिग्ध वस्तुओं को प्लांट करते हैं, तो क्या यह हमारे गृह विभाग की विफलता नहीं है? उन्होंने आगे कहा कि इस आधुनिक समय में हमें लगातार सर्विलांस पर रखा जा रहा है। हमारे फोन टैप किए जा रहे हैं। मरे ख्याल से पेगासस की मदद से मेरा फोन भी टैप किया गया। जोरहाट में कांग्रेस पार्टी के एक समारोह के दौरान गौरव गोगोई ने आगे कहा कि अल्फा-आई ने इस तरह से हमें कड़ा संदेश दिया है। मैं सवाल पूछना चाहता हूं कि राज्य के मुख्यमंत्री और उनका गृह विभाग क्या कर रहा है? अल्फा-आई ने इतने सटीक तरीके से अपनी योजना को अंजाम दिया कि किसी को भी जानकारी नहीं मिली। यह साबित करता है कि हमारा गृह विभाग पूरी तरह से विफल साबित रहा है। आपको बता दें कि गुवाहाटी में शुक्रवार को दो आईईडी जैसे उपकरण बरामद किए गए थे। 24 घंटों के भीतर असम में बम जैसे कुल 10 पदार्थ जब्त किए गए। प्रतिबंधित संगठन अल्फा (आई) ने दावा किया है कि उसने राज्य में सिलसिलेवार विस्फोट करने के लिए 24 विस्फोटक लगाए हैं।

आरएसएस के जरिए लोकसेवकों की भर्ती कर रही मोदी सरकार : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने हाल में यूपीएससी की ओर से कुछ पदों पर भर्ती के लिए निकाले गए आवेदन पर सवाल उठाते हुए सरकार पर यह आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार यूपीएससी के स्थान पर राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के जरिए महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार संघ लोक सेवा आयोग की बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से नियुक्तियां कर एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण को खुलेआम चुनौती दी जा रही है। उन्होंने अपनी पूर्व टिप्पणियों को दोहराते हुए कहा कि मैंने हमेशा कहा है कि देश की उच्च ब्यूरोक्रेसी और अन्य प्रमुख पदों पर वंचित वर्गों का प्रतिनिधित्व नहीं है। अब इसे सुधारने की बजाय, लेटरल एंट्री के माध्यम से उन्हें और भी दूर किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह कदम यूपीएससी की तैयारी करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं के अधिकारों पर हमला है और वंचित वर्गों के आरक्षण और सामाजिक न्याय की अवधारणा को गंभीर चोट पहुंचाता है। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ कॉरपोरेट्स के प्रतिनिधियों को महत्वपूर्ण सरकारी पदों पर नियुक्त करके सरकार दिखा रही है कि कैसे निजी क्षेत्र से आने वाले लोग सरकारी पदों का दुरुपयोग कर सकते हैं। उन्होंने सेबी के नए चेयरपर्सन की नियुक्ति का उदाहरण देते हुए कहा कि पहली बार निजी क्षेत्र से किसी को इस पद पर नियुक्त किया गया है, जो इस तथ्य की स्पष्ट पुष्टि करता है।

भाजपा युवा मोर्चा के नेता का शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में भाजपा युवा मोर्चा के एक नेता का शव बरामद किया गया है। शव शहर के नूनमाटी सेक्टर 3 में बरामद किया गया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान स्पष्ट मौजूद हैं। मृतक की पहचान भाजपा युवा मोर्चा नेता अशोक बर्मन के रूप में हुई है। शव को सेक्टर 3 में रेलवे लाइन के पास बरामद किया गया। मृतक अशोक बर्मन गीता मंदिर मंडल भाजपा कार्यालय के सचिव थे। स्थानीय लोगों को संदेह है कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने उसकी हत्या कर दी और शव को फेंक दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

माजुली में दो सौ जंगली हाथियों ने मचाया तांडव

माजुली (हिंस)। विश्व प्रसिद्ध नदी द्वीप माजुली में करीब 200 जंगली हाथियों के एक झुंड ने जमकर तांडव मचाया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार हाथियों का झुंड अफलामुख इलाके में घुस आया। हाथियों ने पूरे इलाके में जमकर तांडव मचाया। इस दौरान हाथियों के झुंड ने लोगों के फसल, घरों, दुकानों आदि को तहस-नहस कर दिया। लोगों ने बताया कि यह हाथियों का झुंड कई दिनों से लगातार आतंक मचा रहा है। माजुली के टिकराई चापरी गांव में फिलहाल हाथियों का यह झुंड प्रवेश कर चुका है। वन विभाग द्वारा की जा रही लगातार कोशिशों के बावजूद हाथियों को भगाना संभव नहीं हो पा रहा है। पूरे इलाके में लोग आतंकित हैं।

डमी बम एवं वसूली पत्र समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जालुकबारी पुलिस की एक टीम ने डमी बम और जबरन वसूली पत्र के जरिए धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि जालुकबारी थाना क्षेत्र की एक डब्ल्यूजीपीडी टीम ने पांडव नगर के एक व्यक्ति द्वारा शिकायत मिलने के बाद डमी बम और जबरन वसूली पत्र के साथ धमकी देकर 15 लाख रुपए की मांग करने के आरोपी कृष्णाई (ग्वालपाड़ा) निवासी अभिजीत दे (22) को गिरफ्तार किया गया है। एसआई (पी) चितरंजन बोरा द्वारा आरोपी से सघन पूछताछ के बाद अभिजीत दे को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि 15 अगस्त को राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन के द्वारा बम जैसी चीजे लगाई गई थीं। जिसे बाद में उल्फा-स्व ने स्वयं ही एक ई-मेल के जरिए इसका खुलासा कर दिया था। जिसे पुलिस ने बरामद कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस गिरफ्तार युवक से इस संबंध में भी पूछताछ कर सकती है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने आज 15 अगस्त को बम लगाने से संबंधित जानकारी देने वाले को 5 लाख रुपए के ईनाम की घोषणा की है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

कछार (हिंस)। कछार जिले के उदारबन्द पातिमारा इलाके में तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि घर के समीप खेलते समय दो बच्चे अचानक तालाब में डूब गए। काफी समय के बाद दोनों बच्चों को घर के पीछे स्थित तालाब से बरामद कर अस्पताल ले जाया गया। जहां, डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृत बच्चों की पहचान अंकित दास और श्रमजीत दास के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की एक टीम ने दोनों बच्चों का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। दोनों बच्चों की अचानक हुई मौत की वजह से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है ।

पृष्ठ एक का शेष

जल्द नहीं मिला ...

सरकारी अस्पतालों में 6,000 से अधिक ट्रेनी डॉक्टर रविवार को तीसरे दिन भी ओपीडी सेवाओं से दूर रहे। हालांकि प्राइवेट अस्पतालों में सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। वहीं, सरकार ने डॉक्टरों से डेंगू और मलेरिया के बढ़ते मामलों के इलाज के लिए काम पर लौटने का आग्रह किया है, जबकि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा में सुधार के उपाय सुझाने के लिए एक समिति गठित की है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में आईएमए के प्रमुख डॉ. मदन मोहन पालीवाल ने कहा कि डॉक्टर अपनी दिनचर्या पर वापस आ गए हैं। अगर सरकार डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाती है, तो अगला कदम तय किया जाएगा और इस बार हम आपातकालीन सेवाएं भी बंद कर सकते हैं। उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में एम्स के डॉ. प्रभास रंजन त्रिपाठी ने कहा कि अबक जूनियर डॉक्टर और इंटर्न ने काम पर वापस नहीं लौटे हैं। उन्होंने कहा कि आज भी प्रदर्शन हो रहे हैं। दूसर डॉक्टरों पर बहुत दबाव है क्योंकि जनशक्ति कम हो गई है।

सॉल्टलेक में प्रदर्शनकारियों ...

उसके बाद रविवार को सॉल्टलेक स्थित युवा भारती क्रीड़ांगण में पुलिस ने ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के होने वाले डर्वी फुटबॉल मैच को रद्द कर दिया था। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने यह फैसला लिया था। विधाननगर कमिश्नरेट का दावा है कि समर्थकों के विरोध जुलूस में बड़े शोर-शराबे का खतरा हो सकता था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में इनके समर्थक पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और समर्थकों को गिरफ्तार कर रही है। यह मैच 18 अगस्त को होना था, लेकिन एक दिन पहले ही पुलिस ने सुरक्षा कारणों से मैच रद्द करने की घोषणा कर दी। उस मैच में, ईस्ट बंगाल और मोहन बागान समर्थकों ने आरजी कर अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले में न्याय की मांग करते हुए गैलरी में एक साथ विरोध प्रदर्शन किया, चूंकि विरोध प्रदर्शन मैदान में नहीं हो सकता था। इसलिए इसे मैदान के बाहर करने का फैसला किया गया, लेकिन जब फुटबॉल समर्थक जमा हुए और प्रदर्शन करने लगे तो पुलिस ने उनके खिलाफ बल प्रयोग करना शुरू कर दिया। इस बीच,एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने धरना में शामिल होकर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने सवाल उठाया कि फुटबॉल देखते समय खेल प्रेमियों को क्यों गिरफ्तार किया गया? 100 साल पुराने दो क्लबों के बीच मैच देखने जाने वाले खेल प्रशंसकों को क्यों प्रताड़ित किया जाना चाहिए? साथ ही भाजपा नेता कल्याण ने कहा कि जिन पांच लोगों को डर्बी में अशांति फैलाने के डर से गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। हालांकि बाद में पुलिस ने उनकी मांग पर गिरफ्तार समर्थकों को रिहा कर दिया।

एससी ने लिया ...

खासकर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर का शव अस्पताल के सेमिनार हॉल में पड़ा हुआ मिला था। अपराध के सिलसिले में एक आरोपी को हिरासत में लिया है। हालांकि, पीड़िता के परिवार और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यह अपराध सामूहिक बलात्कार था और वे यह सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच की मांग कर रहे हैं। शव के पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई है कि पीड़िता की मौत से पहले उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया था। देश में डॉक्टरों की सबसे बड़ी संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने मारे गए डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की है। शनिवार को आईएमए ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान करते हुए सभी गैर-जरूरी चिकित्सा सेवाओं को 24 घंटे के लिए निलंबित कर दिया।

रक्षाबंधन का चंद्रमा ...

नजदीक होगा। चंद्रमा माह में एक दिन पृथ्वी से सबसे दूर होता है। इसे अपोजी कहते हैं और एक दिन पास के बिंदु पर आ जाता है, जिसे पेरिजी कहते हैं। सोमवार के इस सुपरमून को ब्लूमून भी नाम दिया गया है, क्योंकि 21 जून से 22 सितंबर के खगोलीय सीजन में पड़ने वाले चार पूर्णिमा में से यह तीसरी पूर्णिमा का चांद है। सारिका ने बताया कि ब्लूमून सिर्फ नामरकण है। चांद का रंग तो बाकी पूर्णिमा की ही तरह होगा। रक्षाबंधन के दिन चंद्रमा सुबह की स्थिति में श्रवण नक्षत्र में स्थित रहेगा। पूर्णिमा के चंद्रमा के नक्षत्र के नाम के आधार पर ही इस महीने का नाम सावन रखा गया है।

विश्व के प्रत्येक हिंदू ...

किया कि जब तक विश्व के किसी भी हिस्से में हिंदू पीड़ित है, प्रताड़ित है, हम चुप नहीं रहेंगे। बांग्लादेश के एक एक पीड़ित हिंदू बंधु के साथ सम्पूर्ण हिंदू समाज प्राण पण से खड़ा है। वैश्विक मानवाधिकार वादियों व देश के सेक्युलर वादियों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जब हिंदुओं पर जिहादी हमले होते हैं तो वे चिर निद्रा में सोते हैं जबकि आतंकवादियों पर जब सिकंजे कसते हैं तो वे तो रोते ही हैं, रात तीन बजे तक सर्वोच्च न्यायालय को भी जगाते हैं। विनोद बंसल ने आशा व्यक्त की कि बांग्लादेश सरकार तथा भारत सरकार मिलकर वहां बचे हिंदू व अन्य अल्प संख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित कर, पीड़ितों को न्याय व नुकसान की भरपाई के साथ आतंकी मानसिकता पर अंकुश लगा कर उत्पातियों को दंडित भी करेगी। इस अवसर पर नोएडा से पधारे डॉ. जयंत कुमार एवं नई दिल्ली से पधारीं दर्शनाचार्या विमलेश बंसल मुख्य वक्ता और राजेश अमर प्रेमी भजनोपदेशक के रुप में उपस्थित थे। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता बंसल ने यह भी बताया कि आज इस राष्ट्र को, इस सनातन धर्म को एकता की जरूरत है, जब तक हम एक नहीं होंगे तब तक हम विघटन की ओर जाते रहेंगे। उन्होंने राष्ट्र एवम धर्म को बचाने के अनेक उपाय भी उपस्थित जन समूह के समक्ष प्रस्तुत किए। सभी ने उनके इन क्रांतिकारी विचारों का खुले दिल से समर्थन किया। इसके साथ ही कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि वेद मार्ग ही कल्याण मार्ग है, हम सबको उसका पथिक बनना है। कार्यक्रम में प्रेमलता सगहल युवा महिला पुरुष्कार से सम्मानित विमलेश बंसल जी ने सबके समक्ष ईश्वर के वास्तविक स्वरूप पर व्याख्यान देते हुए स्वरचित सुंदर काव्य रचनाएं प्रस्तुत की।

साइकिल फैक्ट्री फ्लाईओवर...

दिया जाएगा। वहीं लालगणेश से साइकिल फैक्ट्री की ओर आने वाले वाहनों को बरसापाड़ा तिनियाली पर पुनर्निर्देशित किया जाएगा। उन्हें कुलॉ बसुमतारी रोड से होकर एसीए स्टेडियम के सामने से होते हुए एके देव रोड पर धीरेनपाड़ा तिनियाली की ओर जाना होगा। वहां से, चालक एनएच-27 की ओर बाएं मुड़ सकते हैं या आमबाड़ी तिनियाली/फाटाशिल चारियाली की ओर दाएं मुड़ सकते हैं। इस सलाह का उद्देश्य निर्माण चरण के दौरान यातायात व्यवधानों को कम करना और वाहनों का सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करना है। ड्राइवरों से आग्रह किया जाता है कि वे भीड़भाड़ से बचने और सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नए मार्गों और नियमों का पालन करें।

राज्य में मेडिकल कॉलेजों ...

इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री शर्मा ने कामरूप जिले के चार गांवों के निवासियों को भूमि के पट्टे वितरित किए। यह कार्रवाई असम के कई निवासियों के आधिकारिक भूमि स्वामित्व दस्तावेजों की कमी के सामने आने वाली एक और गंभीर समस्या का समाधान करती है। शर्मा ने समारोह के दौरान बताया कि भूमि पट्टे के बिना, कई लोग भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान उचित मुआवजे से वंचित रह जाते हैं और बैंक ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करते हैं।

सीएम सिद्धारमैया मामले ...

प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन *घोटाले* में सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री ने आरोप का खंडन किया है और कानूनी रूप से लड़ने का वादा किया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, जो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं उन्होंने रविवार को कहा कि विरोध रैलियां राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित की जाएंगी। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल बिना बात का मामला बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह *लोकतंत्र की हत्या* है और कांग्रेस इसका विरोध करेगी। वहीं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमने आज उन्हें राज्य के घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल के फैसले को लेकर देशभर में हो रहे विरोध पर उन्होंने कहा कि एआईसीसी इस पर फैसला करेगी। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उस साजिश के खिलाफ लड़ेगी जिसका उद्देश्य *सिद्धारमैया को खत्म करना* है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ...

लेकर झारखंड आंदोलन तक, मैंने हमेशा जन-सरोकार की राजनीति की है। राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, छात्रों एवं पिछड़े तबके के लोगों को उनका अधिकार दिलवाने का प्रयास करता रहा हूं। किसी भी पद पर रहा अथवा नहीं, लेकिन हर पल जनता के लिए उपलब्ध रहा, उन लोगों के मुद्दे उठाता रहा, जिन्होंने झारखंड राज्य के साथ, अपने बेहतर भविष्य के सपने देखे थे। सोरेन ने लिखा कि इसी बीच, 31 जनवरी को, एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के बाद, इंडिया गठबंधन ने मुझे झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की सेवा करने के लिए चुना। अपने कार्यकाल के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन (3 जुलाई) तक, मैंने पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ राज्य के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इस दौरान हमने जनहित में कई फैसले लिए और हमेशा की तरह, हर किसी के लिए सदैव उपलब्ध रहा। बड़े-बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों एवं समाज के हर तबके तथा राज्य के हर व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए हमने जो निर्णय लिए, उसका मूल्यांकन राज्य की जनता करेगी। पूर्व सीएम ने कहा कि जब सत्ता मिली, तब बाबा तिलका मांझी, भगवान बिरसा मुंडा और सिदो-कान्हू जैसे वीरों को नमन कर राज्य की सेवा करने का संकल्प लिया था। झारखंड का बच्चा- बच्चा जनता है कि अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने कभी भी, किसी के साथ ना गलत किया, ना होने दिया। उन्होंने आगे कहा कि इसी बीच, हूल दिवस के अगले दिन, मुझे पता चला कि अगले दो दिनों के मेरे सभी कार्यक्रमों को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्थगित करवा दिया गया है। इसमें एक सार्वजनिक कार्यक्रम दुमका में था, जबकि दूसरा कार्यक्रम पीजीटी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण करने का था। पूछने पर पता चला कि गठबंधन द्वारा 3 जुलाई को विधायक दल की एक बैठक बुलाई गई है, तब तक आप सीएम के तौर पर किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकते। सोरेन ने लिखा कि क्या लोकतंत्र में इस से अपमानजनक कुछ हो सकता है कि एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को कोई अन्य व्यक्ति रद्द करवा दे? अपमान का यह कड़वा घूंट पीने के बावजूद मैंने कहा कि नियुक्ति पत्र वितरण सुबह है, जबकि दोपहर में विधायक दल की बैठक होगी, तो वहां से होते हुए मैं उसमें शामिल हो जाऊंगा। लेकिन, उधर से साफ इंकार कर दिया गया। उन्होंने आगे लिखा कि पिछले चार दशकों के अपने बेदाग राजनैतिक सफर में, मैं पहली बार, भीतर से टूट गया। समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। दो दिन तक, चुपचाप बैठ कर आत्म-मंथन करता रहा, पूरे घटनाक्रम में अपनी गलती तलाशता रहा। सत्ता का लोभ रत्ती भर भी नहीं था, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी इस चोट को मैं किसे दिखाता? अपनों द्वारा दिए गए दर्द को कहां जाहिर करता? सोरेन ने लिखा कि जब वर्षों से पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक नहीं हो रही है, और एकतरफा आदेश पारित किए जाते हैं, तो फिर किस से पास जाकर अपनी तकलीफ बताता? इस पार्टी में मेरी गिनती वरिष्ठ सदस्यों में होती है, बाकी लोग जूनियर हैं, और मुझ से सीनियर सुप्रीमो जो हैं, वे अब स्वास्थ्य की वजह से राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, फिर मेरे पास क्या विकल्प था? अगर वे सक्रिय होते, तो शायद अलग हालात होते। सोरेन ने लिखा कि कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था। बैठक के दौरान मुझ से इस्तीफा मांगा गया। मैं आश्चर्यचकित था, लेकिन मुझे सत्ता का मोह नहीं था, इसलिए मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी चोट से दिल भावुक था। सोरेन ने लिखा कि पिछले तीन दिनों से हो रहे अपमानजनक व्यवहार से भावुक होकर मैं आंसुओं को संभालने में लगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब था। मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजूद ही नहीं है, कोई अस्तित्व ही नहीं है, जिस पार्टी के लिए हम ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। इस बीच कई ऐसी अपमानजनक घटनाएं हुईं, जिसका जिक्र फिलहाल नहीं करना चाहता। इतने अपमान एवं तिरस्कार के बाद मैं वैकल्पिक राह तलाशने हेतु मजबूर हो गया। सोरेन ने लिखा कि मैंने भारी मन से विधायक दल की उसी बैठक में कहा कि आज से मेरे जीवन का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। इसमें मेरे पास तीन विकल्प थे। पहला, राजनीति से सन्यास लेना, दूसरा, अपना अलग संगठन खड़ा करना और तीसरा, इस राह में अगर कोई साथी मिले, तो उसके साथ आगे का सफर तय करना। उस दिन से लेकर आज तक, तथा आगामी झारखंड विधानसभा चुनावों तक, इस सफर में मेरे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं। शुक्रवार को मीडिया में आईं कुछ खबरों में दावा किया गया कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सोरेन भाजपा में शामिल हो सकते हैं। लेकिन सोरेन ने शनिवार को कहा था कि उन्हें अटकलों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा था कि मुझे ऐसी अटकलों और खबरों के बारे में कुछ नहीं पता, मैं जहां हूं, वहीं हूं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ...

गंभीर मानते हुए कैटरिंग ठेकेदार पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में यात्री अभय सिंह सेंगर सी-4 कोच में भोपाल से रविवार सुबह सवार हुए थे। ट्रेन के झांसी रेलवे स्टेशन से निकलने के बाद सुबह करीब नौ बजे अन्य यात्रियों के साथ उन्हें भी खाना परोसा गया। उन्होंने उपमा ऑर्डर किया था लेकिन जैसे ही उन्होंने डिस्पोजल पैकेट का रैपर हटाया तो उन्हें उपमा के ऊपर इल्ली नजर आई। उन्होंने इसका वीडियो बना लिया और इसकी शिकायत रेलवे से की, जिसके बाद रेलवे ने उनका खाना बदलकर देने को कहा। सेंगर ने बताया कि वे 9:40 बजे ग्वालियर स्टेशन पर उतर गए लेकिन तब तक उन्हे दूसरा भोजन उपलब्ध नहीं कराया गया। उन्होंने कहा कि रेलवे का रवैया भी इस मामले में बहुत खराब था। अधिकारियों ने किसी प्रकार की कोई शिकायत उनसे नहीं ली। उन्होंने ही जोर देकर उनके शिकायत रजिस्टर में लिखा कि ऐसी लापरवाही लगातार सामने आ रही हैं। रेलवे वेंडर चेंज क्यों नहीं करता। अन्य यात्रियों ने टीटी से कहा कि रेल मंत्री और अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आईआरसीसीटी के रीजनल मैनेजर आर भट्टाचार्य ने कहा कि यात्री को दूसरा फूड पैकेट दिया गया है। इस मामले में जांच करके निश्चित ही वेंडर पर सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। वहीं, आईआरसीटीसी के कैटरिंग मैनेजर बीएस कौशल ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस में खाना सप्लाई करने वाले ठेकेदार पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। गौरतलब है कि वंदे भारत ट्रेन में खाने की गुणवत्ता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। इससे पहले 18 जून को भोपाल से दिल्ली के बीच चलने वाली इसी प्रीमियम ट्रेन में एक यात्री के खाने में कॉकरोच निकला था। उस घटना के सुर्खियों में आने के बाद आईआरसीटीसी ने यात्री से माफी भी मांगी थी। इसी तरह ट्रेन में घटिया भोजन या पेय पदार्थ परोसे जाने के अन्य मामले भी सामने आ चुके हैं।

सीएए के तहत ...

तक 1,167 लोगों को भारतीय नागरिकता प्रदान की है। सीएए का ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए अमित शाह ने कहा कि करोड़ों भारतीय धर्म के आधार पर विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सामना किए गए मुद्दों को नहीं भूल सकते। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हमारे लोगों को नागरिकता नहीं दी। हमारा इतिहास इसे सदैव याद रखेगा। इन लोगों का क्या कसूर था जो अपनी संपत्ति छोड़कर अपनी बेटियों और पत्नियों को बचाने के लिए यहां आये थे? कानून इन लोगों की सुरक्षा के लिए है। इस कानून से करोड़ों हिंदू, जैन और सिखों को न्याय मिलेगा। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के बीच चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की और स्पष्ट करते हुए कहा कि मैं अपने मुस्लिम भाइयों और बहनों को यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं है, बल्कि उन्हें नागरिकता देने के लिए है। पहले भी इस कानून के खिलाफ कई लोगों को भड़काया गया था। किसी को भी अपनी नागरिकता नहीं छोड़नी पड़ेगी। कुछ लोग सिर्फ व्यापक जनता को गुमराह करना चाहते हैं। आपकी नौकरियां, घर और नागरिकता सुरक्षित हैं। यह कानून सिर्फ आपको न्याय दिलाने के लिए है। खबरों के अनुसार अमित शाह ने नागरिकता समारोह के अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर में लगभग 1,000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं शुरू कीं। उन्होंने शहर के बोदकदेव क्षेत्र में अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के ऑक्सीजन पार्क का भी उद्घाटन किया और नागरिकों से पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण के राष्ट्रव्यापी अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। शाह ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए 100 दिनों में 30 लाख पेड़ लगाने की एएमसी की पहल की सराहना की।

सावधान : मार्केट में ...

बेचने आ रहे हैं, उनमें से कुछ नकली लहसुन बेच रहे हैं। सुधाकर पाटिल की पत्नी ने कहा जब मैंने फेरीवाले की रेहड़ी से लहसुन उठाया तो लहसुन की एक कली बिल्कुल असली लहसुन की तरह दिख रही थी। लहसुन छीलते समय उसकी पंखुड़ियां अलग न हो जाएं, इसलिए जब लहसुन के कंद को चाकू से काटा तो उसे पता चला कि यह कंद सीमेंट का बना हुआ है और इस पर सफेद रंग का भी प्रयोग किया गया है। उक्त लहसुन का वजन करीब सौ ग्राम है। वर्तमान में अकोला शहरों में लहसुन की कीमत 300 से 3500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है और बाजार में लहसुन की कुछ कालाबाजारी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं और ये गिरोह फेरीवालों के माध्यम से नागरिकों को धोखा दे रहे हैं।

शाही मंजूरी के बाद...

जिसमें पार्टी की पिछली सरकार को अपदस्थ करने वाले तख्तापलट से जुड़े सैन्य दल शामिल हैं। पैतोंगतार्न थाईलैंड की कमान संभालने वाली शिनावात्रा परिवार की तीसरी सदस्य बन गई हैं। इससे पहले उनके अरबपति पिता थाकसिन शिनावात्रा और चाची यिंगलक शिनावात्रा इस पद पर रह चुकी हैं। पैतोंगतार्न अपनी चाची के बाद थाईलैंड की दूसरी महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। थाकसिन और यिंगलक को तख्तापलट के जरिये सत्ता से बेदखल कर दिया गया था और उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा था, लेकिन फेउ थाई पार्टी के सरकार बनाने पर थाकसिन पिछले साल थाईलैंड लौट आए थे। पैतोंगतार्न को बैंकॉक स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ सदस्य और उनके पिता भी उपस्थित थे। थाकसिन की कोई औपचारिक भूमिका नहीं है, लेकिन उन्हें फ्यू थाई पार्टी का वास्तविक नेता माना जाता है। पिता-पुत्री एक ही कार में आए और मुस्कुराते हुए एवं एक-दूसरे का हाथ थामे हुए साथ-साथ चलते नजर आए। पैतोंगतार्न ने थाई नरेश, लोगों और सांसदों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह अपने कर्तव्यों का पालन *खुले दिमाग से* करेंगी और थाईलैंड को एक ऐसा स्थान बनाएंगी, जो थाई लोगों को सपने देखने, सृजन करने और अपना भविष्य स्वयं तय करने का अवसर प्रदान करेगा।

असम के राज्यपाल ने रक्षा बंधन पर दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रक्षा बंधन के अवसर पर अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। आचार्य ने अपने संदेश में कहा कि रक्षा बंधन, एक शाश्वत परंपरा है, जिसका हमारे जीवन में गहरा महत्व है। यह केवल एक धागा नहीं है, बल्कि सुरक्षा का बंधन है जो प्रेम, विश्वास और एकजुटता का प्रतीक है। यह त्यौहार अनुष्ठान से परे है, जो भाई-बहनों के बीच एक-दूसरे के प्रति देखभाल, जिम्मेदारी और सम्मान की गहरी भावना को दर्शाता है। रक्षा बंधन समर्पण, एकता और भाई-बहनों को जोड़ने वाले अटूट बंधन के सार को खूबसूरती से दर्शाता है, जो इन पोषित रिश्तों की स्थायी ताकत का जश्न मनाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रक्षा बंधन का पवित्र अवसर भाईचारे की भावना को मजबूत करेगा और भाई-बहन के संबंधों के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देगा।

बम की जानकारी देने वाले को पुलिस देगी 5 लाख का इनाम

बम लगाने के मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के विशेष पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने कहा है कि 15 अगस्त के मौके पर राज्य में विभिन्न स्थानों पर बम लगाकर दहशत फैलाने वालों से संबंधित जानकारी देने वाले को असम पुलिस पांच लाख रुपए का इनाम देगी। आज यहां एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद स्पेशल डीजीपी मीडिया से बातचीत कर रहे थे। विशेष पुलिस महानिदेशक सिंह ने कहा कि कुछ *बम जैसी वस्तुएं* मिली हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई की। संभावित खतरे से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) के नेतृत्व में

एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी को बरामद पदार्थों की प्रकृति का पता लगाने और इसके लिए जिम्मेवार लोगों की पहचान करने के लिए जांच करने का काम सौंपा गया है। विशेष डीजीपी सिंह ने कहा कि असम के लोगों को सुरक्षा प्रदान करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसके मद्देनजर एक समीक्षा बैठक बुलाई गई है। जिसमें, आगे बढ़ने के लिए प्रभावी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। वह यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जो कोई भी इस राज्य के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेगा, उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। असम पुलिस ने अल्फा (स्वा) द्वारा लगाए गए बम की जांच में जनता से सहयोग मांगा है। पुलिस ने ठोस सुराग देने वाले को 5 लाख रुपए का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। पुलिस ने जानकारी देने वाले लोगों की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखने का भी आश्वासन दिया है।

छात्रों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने का प्रयास कर रही है विज्ञान भारती

गुवाहाटी (हिंस)। विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) का आयोजन विज्ञान भारती (वीआईबीएच) द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त निकाय के सहयोग से किया जाता है। यह प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। कार्यक्रम का उद्देश्य विज्ञान मानसिकता के प्रति उत्साही छात्रों की पहचान करना है। विज्ञान भारती, असम प्रदेश के सचिव राजीब चंद्र शर्मा ने कहा कि इसका उद्देश्य वास्तविक विज्ञान में छात्रों के बीच रुचि पैदा करना, पारंपरिक से आधुनिक युग तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया में भारत के योगदान के बारे में स्कूली बच्चों को शिक्षित करना, कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना, वैज्ञानिक सोच और आत्मविश्वास वाले छात्रों की पहचान करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करना, छात्रों के लिए विज्ञान का अध्ययन करना, क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सफल छात्रों की पहचान करना और उन्हें प्रेरित करना और साथ ही सफलता प्राप्त करना। वहीं शर्मा ने बताया कि वीवीएम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक विकल्प के वस्तुनिष्ठ

प्रश्न, विस्तारित लेखन प्रश्न, प्रस्तुतीकरण और समूह चर्चा, भूमिका निभाने और व्यावहारिक परीक्षाएं होंगी। वैज्ञानिक पद्धतियां शामिल होंगी। स्कूल स्तर की परीक्षाएं (जूनियर और सीनियर) स्कूल स्तर पर 100 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। ये प्रश्न एक घंटे तीस मिनट के भीतर हल करने होंगे और प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक होगा। परीक्षा में दो भाग होंगे, भाग ए (विज्ञान में भारतीय योगदान और डॉ. शांति स्वरूप भटनागर की जीवन गाथा से 40 प्रश्न। यह विज्ञान भारती द्वारा प्रदान किया जाएगा और भाग बी (एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों और आरडी पाठ्यक्रम पर आधारित 60 प्रश्न और तर्क और तर्क प्रश्न ओपन सोर्स *बी* से दिए जाएंगे।

एक खोज प्रतिभा की का मंडलीय स्तर पर ऑडिशन राउंड संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा का स्थाई सांस्कृतिक कार्यक्रम एक खोज प्रतिभा की का मंडल ई का ऑडिशन राउंड छत्रीबाड़ी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें गायन व नृत्य के दो-दो ग्रुपों में ऑडिशन लिया गया। इससे पहले राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरीया, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक, प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला व पंकज पोद्दार, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष शंकर बिडला, कामरूप शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, महिला शाखा मंत्री मंजू भंसाली, ग्रेटर शाखा सचिव अरविंद सर्राफ, कमरूप शाखा संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र, कार्यक्रम संयोजक संजय अग्रवाल, राजेश जम्मड़, रश्मि जैन, अरविंद सराफ और अशोक सेठिया ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुशील गोयल ने अपने मंडल ई की शाखोंओ के ऑडिशन राउंड के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के आठ मंडल में उक्त ऑडिशन राउंड का आयोजन हो रहा है। ऑडिशन राउंड में विजेता प्रतिभागी को क्वार्टर फाइनल में भेजा जाएगा। दिनेश गुप्ता ने कहा कि कामरूप शाखा का

स्थाई सांस्कृतिक कार्यक्रम आज पूरे पूर्वोत्तर में काफी लोकप्रिय हो गया है। जिसमें पूर्वोत्तर की समस्त शाखों से प्रतिभागी अंश ग्रहण कर रहे हैं। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने अपने संबोधन में इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से समाज में छुपी हुई प्रतिभा को उभरने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया ने भी प्रतिभागी कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। ऑडिशन राउंड में गायन के जूनियर ग्रुप में 7 सीनियर ग्रुप में 10 प्रतिभागी व नृत्य जूनियर में 17 व सीनियर में 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। गायन के निर्णायक ज्यात्री भट्टाचार्य और स्पंदन चक्रवर्ती थे तथा नृत्य के निर्णायक बॉबी बादशाह और आकाश ज्योति शर्मा थे। उल्लेखनीय है कि आगामी 25 अगस्त को क्वार्टर फाइनल राउंड गुवाहाटी के लायंस ऑडिटोरियम में किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन मनोज चांडक ने किया।

टैक्स बार एसोसिएशन ने केंद्रीय बजट, आयकर और जीएसटी पर सेमिनार का आयोजन किया

गुवाहाटी। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने कल लोहिया लायंस गौहाटी ऑडिटोरियम, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी में केंद्रीय बजट, आयकर और जीएसटी पर एक पूर्ण दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश अग्रवाला ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। सेमिनार की शुरुआत एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा, सचिव सीए गोपाल सिंघानिया, उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा, सेमिनार कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश अग्रवाला, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रमेश गोयनका, पूर्व अध्यक्ष सीए भंवरलाल पुरोहित और वक्ता सीए भूपेन्द्र शाह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सेमिनार के विषयों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे बताया कि एसोसिएशन ने भारत के माननीय वित्त मंत्री को आठ सुझावों वाला एक प्री-बजट ज्ञापन भेजा था, जिसमें से दो सुझावों पर विचार किया गया और उन्हें इस वर्ष के केंद्रीय बजट में शामिल किया गया है। उन्होंने ज्ञापन तैयार करने वाले प्रत्यक्ष कर समिति के अध्यक्ष सीए सोमेश बोस के प्रयासों की सराहना की। पहले तकनीकी सत्र में, मुंबई

के सीए भूपेन्द्र शाह ने केंद्रीय बजट 2024 द्वारा आयकर कानूनों में किए गए संशोधनों के बारे अपनी पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ में बताया। उन्होंने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में रिपोर्टिंग के संबंध में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 43 बी (एच) के तहत एमएसएमई प्रावधानों के ज्वलंत मुद्दे को भी समझाया। दोपहर के भोजन के बाद दूसरे तकनीकी सत्र की शुरुआत सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के स्वागत भाषण से हुई। इस सत्र में, कोलकाता के सीए शुभम खेतान ने केंद्रीय बजट 2024 द्वारा जीएसटी कानूनों में किए गए संशोधनों के बारे में बताया। उन्होंने अपनी पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ जीएसटी कानूनों के तहत अपील और संशोधन से संबंधित प्रावधानों को भी समझाया। दोनों वक्ताओं ने अपने-अपने विषय पर शानदार ढंग से बात रखी, जिसे प्रतिनिधियों ने खूब सराहा। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का भी उत्तर दिया और कानून के प्रावधानों के बारे में बताया। सेमिनार का समापन सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र से लगभग 150 पेशेवरों और व्यापारियों ने सेमिनार में भाग लिया और वक्ताओं की विशेषज्ञता से लाभान्वित हुए। प्रतिनिधियों ने प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार की व्यवस्था के लिए एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। सेमिनार आयोजन समिति में अध्यक्ष एडवोकेट ब्रजेश कुमार शर्मा, सचिव सीए गोपाल सिंघानिया और सेमिनार कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश अग्रवाला शामिल थे। एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वित्त विधेयक को 16 अगस्त 2024 को भारत के राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई और अब यह वित्त अधिनियम (नंबर 2) 2024 है। इसमें इनकम टैक्स और जीएसटी दोनों कानूनों में कई बदलाव किए गए हैं और इन सभी बदलावों को समझने के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया है। टैक्स बार एसोसिएशन ने सबसे उपयुक्त समय पर और सबसे प्रासंगिक विषयों पर इस सेमिनार का आयोजन किया है। उन्होंने सेमिनार में भाग लेने और इसे सफल बनाने के लिए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

एक शाम राष्ट्रभक्ति के नाम शीर्षक बहुभाषी कवि सम्मेलन संपन्न

नगांव (निसं)। अंतरात्मा के बैनर तले और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय, माधव संस्कृति न्यास, राष्ट्रीय शिक्षा चैरिटेबल के सहयोग से महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के वातानुकूलित सभागार में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 78वां स्वाधीनता दिवस के अवसर पर एक शाम राष्ट्रभक्ति के नाम शीर्षक बहुभाषिक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। अंतरात्मा के सभापति डॉ. धनजंय कुसरे ने तिरंगा पताका के सामने पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही वरिष्ठ कवि पुनीराम सैकिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद नगांव विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. करबी देवी ने बरगीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रुप में नगांव जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार साह आईएस ने उपस्थित होकर अपने भाषण में इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बहुभाषिक कवि सम्मेलन के माध्यम से भावी युवा पीढ़ियों के बीच राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और आस्था की भावना प्रगाढ़ होगी, उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में हर लोग मंच

पर आने के पहले पुष्पांजलि अर्पण के द्वारा तिरंगा को नमन करने की जो परंपरा कायम की है, वह सराहनीय ही नहीं बल्कि अपने आप में एक शिक्षा का विषय है। जिला आयुक्त ने टुटुरानी गोगोई द्वारा रचित चार ग्रंथों का भी विमोचन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर सदर विधायक रुपक शर्मा भी उपस्थित होकर कवियों के सम्मान में अपने उदगार प्रकट करते हुए इस कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि अशोकराम भट्टाचार्य, भरत बराल, कृष्ण दैमारी, शायरा बेगम, कबिता बोरा, रेणुका देवी, रेखा सिंह चौहान, कविता कुसरे, अर्जुन महतो, पापू मजूमदार, हरेश्वर बोरा, सफीकुर रहमान, हरभजन सिंह, सुरेन्द्र सिंह सहमी, शायर संजीव सागर चौधरी, पत्रकार अजय महतो सहित 60 से भी ज्यादा कवियों ने देशप्रेम से ओत-प्रोत स्वरचित कविता सुनाकर तिरंगा को नमन किया। उल्लेखनीय है कि इस कवि सम्मेलन में असमिया, बंगाली, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, नेपाली, गुजराती, मिसिंग, कार्बी, डिमासा, बोरो, भोजपुरी आदि सहित विभिन्न भाषाओं मे कविता की प्रस्तुती दी गई। आमंत्रित अतिथियों में महारा सत्र के सत्राधिकार जीवेश देवगोस्वामी, नागांव केंद्रीय विद्यालय की प्राचार्य अपूर्व दास, लायंस क्लब के अध्यक्ष अजय मित्तल, कराटे एशोसिएशन के सचिव त्रिलोक शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान धर्म प्रसाद गोस्वामी द्वारा रचित सामुहिक गान की प्रस्तुति को सभी ने सराहा, तो वहीं गायक निर्माली देवी और आराधना कुमारी महतो ने देशभक्ति गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सभी कार्यक्रम का संचालन शायर कवि संजीव सागर चौधरी और पत्रकार अजय महतो ने बेहतरीन तरीके से किया।

श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय का चुनाव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार एमएस रोड के सेंट्रल प्लाजा में स्थित श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय के सत्र 2024 -26 के लिए आम चुनाव पुस्तकालय के चुनाव अधिकारी राजकुमार तिवारी एवं सह-चुनाव अधिकारी अक्षिता अजीतसरिया की देखरेख में संपन्न कराया गया। चुनाव अधिकारी श्री तिवारी ने कहा कि आजीवन सदस्य श्रेणी के 10 सदस्यों के लिए 10 नामांकन पत्र आने के कारण सभी को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। मगर साधारण सदस्यों की सात सीट के लिए 12 नामांकन पत्र आने की वजह से मतदान प्रक्रिया के द्वारा सात सदस्यों को मतदान प्रकिया से चुना गया। चुनाव में 80 प्रतिशत मतदान का प्रयोग हुआ। इससे पहले सन 2000 में पुस्तकालय के चुनाव मतदान प्रक्रिया से कराया गया था। उसके बाद हर दो वर्ष कार्यकाल के लिए निर्विरोध ही अध्यक्ष का चुनाव होते आया है। इस बार सदस्यों के उत्साह को देखते हुए सिर्फ साधारण सदस्यों के लिए ही चुनाव कराया गया। आजीवन सदस्य की श्रेणी अनुराग पोद्दार, लक्ष्मीपत बैद, मनोज जालान, रुपेश खाखोलिया, प्रेमचंद खजांची, किशोर जैन काला, कांता अग्रवाल, कृष्ण कुमार जालान, सिद्धार्थ नवलगढ़िया और जीवराज जैन को निर्विरोध विजयी

घोषित किया गया। साधारण सदस्य में अंशु सारडा ने सर्वाधिक मत प्राप्त किया। इसके अलावा विनोद रिंगनियां, सविता जोशी, आशीष खाखोलिया, संतोष बैद, मुकेश भातरा और ताराचंद जैन ठोल्या विजयी घोषित किए गए। पुस्तकालय के अध्यक्ष रवि अजीतसरिया ने सभी विजयी सदस्यों को शुभकामना देते हुए उनके कार्यकाल में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। मतदान प्रक्रिया के समय पुस्तकालय ट्रस्ट की सभापति आनंद पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष अनिल जैना, नारायण खाखोलिया, सुरेंद्र खेमका के अलावा कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। पुस्तकालय सचिव अशोक सिवोटिया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा ने तीज सिंधारा का आयोजन किया

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच, नगांव समृद्धि शाखा द्वारा गत शुक्रवार को शाखा सदस्या हीरा गड़ोदिया के निवास स्थान पर स्थित हॉल में तीज का सिंधारा कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजिका निशु चौधरी, पूजा माथुर और प्रिया अग्रवाल थी। कार्यक्रम में सदस्याओं ने काफी मात्रा में बढ़-चढ़कर अंश ग्रहण किया। इस दौरान सदस्याओं के बीच कई मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिससे माहौल में उत्साह बना रहा। इसके साथ ही, मंच के सदस्याओं ने विभिन्न लोकगीत एवं सिंधारा के गीतों पर अपनी प्रस्तुतियां दी, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। इसी बीच कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन एवं पकवान भी बनाए गए, सभी ने जिसका लुफ्त उठाया। इसके अलावा कई मनोरंजक गतिविधियां

भी आयोजित कि गई जिनमें सभी ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सदस्याओं की उपस्थिति एवं भागीदारी ने कार्यक्रम को और भी शानदार बना दिया और सभी ने इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया। पारंपरिक एवं राजस्थानी वेशभूषा में सजी सोलह सिंगार कर सभी महिलाओं ने राजस्थानी परंपरा की एक अनूठी छाप बनाते हुए सभी ने एक दूसरे को तीज एवं सिंधारे की बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजिका, अध्यक्ष ममता सिंधी, सचिव सपना पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया के साथ सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। यह जानकारी नगांव समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा दी गई है।

गौरीपुर मस्जिद कमेटी ने तस्करों को कराया गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। गौरीपुर चौरेंगीमोड़ में ड्रग्स बेचते तस्करों की सूचना निजामिया ब्लॉक मस्जिद कमेटी ने गौरीपुर पुलिस को दी। पुलिस पहुंची और दोनों तस्करों को पकड़ने में कामयाब रही। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नूर मोहम्मद अली उर्फ भाई (19) और खारू शेख (21) के रूप में हुई है। ये दोनों गौरीपुर चौरंगीमोड़ के निवासी बताए जा रहे हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों युवकों के पास से ड्रग्स भरे सात कंटेनर जब्त किए गए। ड्रग्स की मात्रा 75 ग्राम बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि दोनों युवक लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। निजामिया ब्लॉक मस्जिद कमेटी के इस कदम का लोगों ने स्वागत किया है। दोनों युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और आगे की जानकारी के लिए उनसे पूछताछ जारी है।

आगामी गीता जयंती को लेकर होजाई में गीता आश्रम न्यास का सभा आयोजित

होजाई (निसं)। गीता आश्रम न्यास अपने वार्षिक उत्सव के रूप में गीता जयंती हर साल धूमधाम के साथ आयोजित करता है। इस बार यह आयोजन और भी बेहतर रूप में करने के उद्देश्य के साथ आज होजाई गीता आश्रम में एक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें गहन विचार विमर्श के बाद समाजसेवी आशीष भट्टाचार्य को सभापति, समाजसेवी अर्जुन मजूमदार को सचिव और कोषाध्यक्ष का दायित्व दीपक शाह को सोपा गया। इसके साथ ही एक बेहतर गीता जयंती आयोजन समिति का गठन किया गया। इस संवाददाता से बात करते हुए नवनियुक्त सचिव अर्जुन मजूमदार ने कहा हमारा मकसद है गीता का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार हो एवं आने वाली पीढ़ी गीता के महत्व के बारे में समझे। इसी कड़ी में हमने आज ही से अपनी

कमर कस ली है और विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित कर ज्यादा से ज्यादा गीता का प्रचार करेंगे। उन्होंने सभी से आह्वान किया की न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपनी भागीदारी देकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने आगे कहा कार्यक्रम को सफल करने हेतु विद्यालय से लेकर महाविद्यालय व विश्वविद्यालय तक विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, स्पीच प्रतियोगिता आदि है जिसे आज की युवा पीढ़ी गीता के बारे में ज्यादा से ज्यादा जान सके। वहीं दूसरी और न्यास के अशोक केजरीवाल ने बताया की दो दिवसीय अंतिम कार्यक्रम है जो की दिसंबर 10 व 11 को आयोजित होगा। वैसे यह कार्यक्रम 3 महीने तक चलेगा जिसमें विभिन्न तरह की प्रतियोगिता, सभा का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि हमारा एक ही उद्देश्य है कि हर घर गीता का संदेश पहुंचया जाए व दैनिक जीवन में गीता के महत्व से लोगों को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि अंतिम दो दिनों के कार्यक्रम में एक धर्म सभा का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें भारत के प्रमुख संत अपना प्रवचन देकर लोगों को गीता के महत्व के बारे में बारीकी से समझाएंगे।

संपादकीय

हिंसा की जवाबदेही किसकी

देश ने स्वतंत्रता की 78वीं सालगिरह मनाई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक लालकिले पर 11वीं बार 'तिरंगा' फहराया और राष्ट्र को संबोधित किया। वह ऐसे प्रथम गैर-कांग्रेसी एवं भाजपाई प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें देश ने इतना सम्मान दिया है। आज 98 मिनट के प्रधानमंत्री संबोधन का विश्लेषण करने का दिन था। प्रधानमंत्री ने पहली बार देश में 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' पर चर्चा की बात कही है। उस विकृति की ओर भी संकेत किया, जो सर्वनाश का कारण बन सकती है। यह पराकाष्ठा की स्थिति है कि आखिर ऐसी विकृतियां किसकी गोद में पल रही हैं? प्रधानमंत्री के भाषण का फोकस 'विकसित भारत 2047' पर अधिक रहा। उन्होंने महिला अपराधों और अत्याचारों पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की और फांसी की सजा तक का सुझाव दिया। बेशक देश की स्वतंत्रता का मौका था, लिहाजा औसत नागरिक जश्न, उल्लास और आनंद के मूड में था, लेकिन संभ्रांत लोगों के शहर कोलकाता में, आधी रात के आसपास, अचानक एक भीड़ उमड़ आई। सैकड़ों होंगे अथवा हजारों होंगे, यह गणना बेमानी है। वे गुंडे-बदमाश, हिंसक और विध्वंसक थे। उनके हाथों में लाठियां, डंडे थे और वे काफी उग्र लग रहे थे। स्वतंत्रता की पूर्व रात्रि में भारतीय ही भारतीय पर हमलावर होगा, ऐसी आजादी की हमने कल्पना तक नहीं की थी। क्या हमें ऐसी ही आजादी चाहिए? भीड़ ने पहला हमला प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किया। उन्हें तितर-बितर किया। मारा-पीटा, तोड़-फोड़ की और प्रदर्शन का मंच ही ध्वस्त कर दिया। उसके बाद भीड़ उस सरकारी अस्पताल के अंदर घुस गई, जहां कुछ दिनों पहले ही 31 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार किया गया और बाद में दरिंदगी से उसकी हत्या भी कर दी गई थी। अस्पताल के भीतर भी खूब तोड़-फोड़ की। आपातकालीन कक्ष और बिस्तरों को भी नहीं छोड़ा। गंभीर चिकित्सा विभाग को भी अस्त-व्यस्त कर दिया। संभव है कि उस जघन्य, वहशियाना अपराध के कुछ सबूत भी मिटा दिए गए हों! आखिर वह भीड़ कहां से आई? कौन थे वे गुंडे और उनकी मंशा क्या थी? भीड़ की अराजकता से, अंततः, किसे लाभ हो सकता है? बंगाल पुलिस कहां थी? यदि ठुल्ले तैनात थे, तो वे तमाशबीन ही क्यों बने रहे? पुलिस और भीड़ में कोई सांठगांठ थी क्या? क्या सीबीआई जांच भी प्रभावित होगी? बहरहाल इन सवालों के जवाबों की प्रतीक्षा प्रधानमंत्री मोदी को नहीं करनी चाहिए। उन्हें राज्यपाल सीवी आनंद बोस की ताजा रपट मंगवानी चाहिए और केंद्रीय कैबिनेट को अनुच्छेद 356 के तहत पश्चिम बंगाल में 'राष्ट्रपति शासन' चस्पा कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चिल्लाने और संघीय ढांचे की दुहाई देने दो। दरअसल यह भीड़ और यह मार-काट बंगाल की नई परंपरा, नया रूटीन बन गई है। कभी संदेशखाली में, तो कभी 24 परगना अथवा किसी अन्य क्षेत्र में भीड़ हिंसा पर उतारू उमड़ती है। हत्याएं तक करना आम बात है। ममता बनर्जी 2011 से मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री हैं, लिहाजा कानून-व्यवस्था की बुनियादी जिम्मेदारी उन्हीं की है। क्या देश की स्वतंत्रता के दिन भी ऐसी उन्मादी, उग्र भीड़ तोड़-फोड़, मार-काट करने को स्वतंत्र है? देश की महिलाएं, देश की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री से, पूछ रही हैं कि आखिर ममता किसकी 'दीदी' हैं? बेशक ममता अब धरने पर बैठ राजनीति करें, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया है कि राम और वाम इक_ा हो गए हैं और अशांति फैला रहे हैं। 'राम' नाम का इस तरह प्रयोग घोर आपत्तिजनक है। बहरहाल भीड़ डॉक्टरों को हतोत्साहित नहीं कर पाई है, क्योंकि जो डॉक्टर काम पर लौट गए थे, वे फिर हड़ताल पर वापस चले गए हैं। भारत में डॉक्टरों की कमी पहले से ही संकट बनी हुई है, क्योंकि औसतन 1108 लोगों पर एक ही डॉक्टर है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल में अनुच्छेद 356 लागू कर देना चाहिए तथा प्रशासन में आमूल फेरबदल करना चाहिए।

> प्रधानमंत्री ने पहली बार देश में 'धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता' पर चर्चा की बात कही है। उस विकृति की ओर भी संकेत किया, जो सर्वनाश का कारण बन सकती है। यह पराकाष्ठा की स्थिति है कि आखिर ऐसी विकृतियां किसकी गोद में पल रही हैं? प्रधानमंत्री के भाषण का फोकस 'विकसित भारत 2047' पर अधिक रहा। उन्होंने महिला अपराधों और अत्याचारों पर भी अपनी पीड़ा व्यक्त की और फांसी की सजा तक का सुझाव दिया। बेशक देश की स्वतंत्रता का मौका था, लिहाजा औसत नागरिक जश्न, उल्लास और आनंद के मूड में था, लेकिन संभ्रांत लोगों के शहर कोलकाता में, आधी रात के आसपास, अचानक एक भीड़ उमड़ आई। सैकड़ों होंगे अथवा हजारों होंगे, यह गणना बेमानी है। वे गुंडे-बदमाश, हिंसक और विध्वंसक थे। उनके हाथों में लाठियां, डंडे थे और वे काफी उग्र लग रहे थे। स्वतंत्रता की पूर्व रात्रि में भारतीय ही भारतीय पर हमलावर होगा, ऐसी आजादी की हमने कल्पना तक नहीं की थी। क्या हमें ऐसी ही आजादी चाहिए? भीड़ ने पहला हमला प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर किया।

भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्रह्लाद सबनानी

> भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं।

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आश्य यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो। प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अतः तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय

स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं। भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंततः भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाईं थी। आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में 'वन्दे मातरम' कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था। उक्त कई कारणों के चलते भारत को विभाजन की विभीषिका को झेलना पड़ा था और करोड़ों नागरिक इससे बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुए थे। वैसे तो भारत को पूर्व में भी खंडित किया जाता रहा है परंतु वर्ष 1947 में हुआ विभाजन सबसे अधिक वीभत्स रहा है। वर्ष 1937 में म्यांमार भारत से अलग हुआ था, वर्ष 1914 में तिब्बत को भारत से अलग कर दिया गया था, वर्ष 1906 में भूटान एवं वर्ष 1904 में नेपाल को भारत से अलग कर दो नए देश बना दिये गए थे एवं वर्ष 1876 में अफगानिस्तान ने नए देश के रूप में जन्म लिया था। यह सभी विभाजन भारत को पावन भूमि को विखंडित करते हुए सम्पन्न हुए थे। यह सिलसिला वर्ष 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात भी रुका नहीं एवं वर्ष 1948 में भारत के भूभाग को विखंडित कर श्रीलंका के रूप में नए देश का जन्म हुआ। वर्ष 1948 में ही पाकिस्तान के कुछ कबीलों ने भारत के कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर कश्मीर के एक हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसे आज 'पाक आकुपाईड कश्मीर' कहा जाता है। वर्ष 1962 में आक्साई चिन भी भारत से विखंडित हो गया था। उक्त विखंडित हुए भूभाग से भारत का नाता आज भी बना हुआ है। जैसे, अफगानिस्तान में बामियान बुद्ध की मूर्तियां स्थापित रही हैं, जिन्हें बाद के खंडकाल में तालिबान ने खंडित कर दिया है। महाभारत काल में गांधारी आज के अफगानिस्तान राज्य की निवासी रही है। अफगानिस्तान शिव उपासना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसी प्रकार पाकिस्तान में तो तक्षशिला विश्वविद्यालय रहा है, जिसमें विश्व के अन्य देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। हिंगलाज माता का मंदिर है, भगवान झूलेलाल का अवतरण इस धरा पर हुआ था, साधु बेला, संत कंवरराम, ऋषि पिंगल, ऋषि पाणिनि भी इसी धरा पर रहे हैं। भगत सिंह, लाला लाजपत राय एवं आचार्य कृपलानी जैसे देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया था। बंगला देश में भी आज ढाकेश्वरी मंदिर स्थित है जिसके नाम पर ही बांग्लादेश की राजधानी को ढाका कहा जाता है। जगदीश चंद्र बोस एवं विपिन चंद्र पाल जैसे महान देशभक्तों ने भी इसी धरा पर जन्म लिया है। नेपाल तो अभी हाल ही के समय तक हिंदू राष्ट्र ही रहा है एवं यहां पर कैलाश मानसरोवर, पशुपति नाथ मंदिर, जनकपुर जहां माता सीता का जन्म हुआ था एवं विश्व प्रसिद्ध लुम्बिनी, आदि नेपाल में ही स्थित हैं।

दृष्टि कोण

नशे की बढ़ती लत से समाज खतरे में

समाज के बदलते परिवेश में कुछ अलग करने की कामना, मानसिक तनाव और बहुत से शौक ऐसे कारण हैं जो नशे के प्रचलन को समाज में बढ़ा रहे हैं। इसका ज्यादातर शिकार हमारी युवा पीढ़ी हो रही है। वर्तमान में नशा युवाओं के लिए फैशन बन गया है, जो दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। नशे का हानिकारक प्रभाव न केवल नशा करने वाले व्यक्ति पर पड़ता है, अपितु यह पूरे परिवार और समाज को भी खोखला करने का काम करता है। एक समय हिमाचल को बदनाम करने वाले भांग, अफीम और चरस जैसे खतरनाक नशे की जगह अब चिट्टे ने ले ली है। चिट्टा वास्तव में एक बहुत ही खतरनाक ड्रग्स है। हिमाचल का शायद ही कोई ऐसा जिला होगा जहां पर पुलिस द्वारा चिट्टे की बरामदगी न हुई हो, खासकर सीमांत जिलों कांगड़ा, ऊना एवं सोलन जैसे जिलों में चिट्टे का सर्वाधिक प्रकोप है, जो कि कई युवाओं के जीवन को निगल चुका है। अक्सर नशेड़ी आदमी को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ता है। फिर भी न चाहते हुए भी वे इस लत से छुटकारा नहीं पा सकते। वर्तमान में हालात ऐसे बन चुके हैं कि स्कूल, कॉलेज एवं यूनिवर्सिटीज में पढने वाले विद्यार्थी नशाखोरी की चपेट में आने लगे हैं। नशा माफिया छात्रों को किसी तरह से बहला-फुसला कर नशे की लत लगा देता है और जब ये छात्र इस महंगे नशे को खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं तो नशा माफिया इन बच्चों को नशा तस्करी के दलदल में धकेल देता है। अभी कुछ समय पहले ही एनआईटी हमीरपुर में कई छात्र इस नशाखोरी के चक्कर में पकड़े गए थे। आजकल आधुनिकता की दौड़ में संयुक्त परिवार की जगह एकल परिवार को तरजीह दी जा रही है। ऐसे में बच्चों में अकेलापन, सामाजिकता का अभाव इत्यादि के कारण बच्चों में नशे की तरफ रुचि बढ़ जाती है। अगर एकल परिवार का लडक़ा या लडक़ी नशे के जाल में फंसते हैं तो उस परिवार का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है। अक्सर देखने में आता है कि नशे में पड़ा छात्र झूठ बोलने लगता है एवं अपने परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और समाज को धोखा देने लगता है। नशे के लिए पैसे का जुगाड़ करने के लिए चोरी, डकैती, अपने ही घर का सामान बेचना जैसी खबरें हम आए दिन अखबारों में पढ़ते रहते हैं। एक बार सिंथेटिक ड्रग्स की लत लग जाए तो इस नशे को छोड़ पाना इतना आसान नहीं होता। इसकी लत इतनी खतरनाक होती है कि अगर व्यक्ति को नशा न मिले तो यह नशेड़ी की मौत का कारण बन जाता है। आज जरूरत है समाज में इस दानव रूपी नशे के कारोबार को खत्म किया जाए। सरकारें भी इसके लिए प्रयासरत हैं, लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार की होती है। माता-पिता अपने बच्चों की परवरिश करते समय अगर बच्चे की छोटी-मोटी गतिविधियों पर नजर नहीं रखेंगे तो बच्चे गलत संगत में पड़ कर नशे का शिकार बन सकते हैं। कई बार अपनी विधानसभा या हिमाचल के किसी और क्षेत्र में जाता हूं तो स्कूल-कॉलेज के छात्र सिरगेट के धुएं के छल्ले उड़ाते दिखते हैं, तो मन में पीड़ा होती है। कई बार गाड़ी रोककर ऐसे बच्चों को समझाने का भी प्रयास करता हूं। समय की जरूरत है कि सरकार नशे के कारोबारियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए। शिक्षण संस्थानों में 100 मीटर के दायरे में तम्बाकू-गुटखा बेचने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा एनजीओ, धार्मिक संगठनों, सिविल सोसाइटीज, पंचायतों, शहरी निकायों, स्टूडेंट्स यूनियनों, यूथ क्लबों, नेहरु युवा क्लबों, शिक्षकों को तन-मन-धन से नशे के खिलाफ सहयोग करना चाहिए। जब स्टूडेंट्स कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते हैं तो उनको नशे के खिलाफ वर्कशॉप और ओरिएंटेशन प्रोग्राम्स में विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। सरकारों को युवाओं के लिए अवसर, खेलों एवं रोजगार की तरफ विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए, ताकि युवा अपनी एनर्जी और क्रिएटिव पावर्स का समाज और देशहित में प्रयोग कर सकें। पंजाब का उदाहरण हमारे सामने है। पंजाब अब उड़ता पंजाब कहलाता है। वहां पर नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण वह अब खेलों में भी पीछे हो गया है।

कुछ अलग

बाढ़ और नेता...

बाढ़ और नेताजी का चोली-दामन का साथ है। बाढ़ आती है तो नेताजी भी आते हैं। नेताजी आते हैं तो उनके चेले चांटे भी साथ में आते हैं। बाढ़ में चारों तरफ पानी ही पानी होता है। नेताजी भी अपनी आंखों में पानी भर लाते हैं। जिस नेता की आंखों में पानी नहीं आता, वह नेता की श्रेणी में ही नहीं आता। इसलिए नेताजी आंखों में पानी लाने का अभ्यास करते रहते हैं। जहां पानी का स्तर बहुत कम होता है, यानी चुल्लू भर पानी होता है या थोड़ी सूखी जगह होती है, नेताजी वहां सावधानी से पैदल चलते हुए मुआयना करते हैं और फिर फोटो खिंचवाते हैं। फोटो अखबारों में छपती है और चंद चापलूस टाइप के मीडिया वाले यह स्टोरी लिखते हैं कि अपनी जान जोखिम में डालकर नेताजी ने बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया और सुख-दुख बांटा। पहले सुख-दुख बंटता है, उसके बाद राहत भी बंटेगी। उसकी अलग से फोटो आएगी। अब जिन इलाकों में नेताजी की सूरत देखे लोगों को मुद्दत बीत गई होती है, वहां के लोग अपने आप को कोसते हैं कि हमारे यहां बाढ़ क्यों नहीं आई। ईश्वर ने बाढ़ के मामले में हमारी उपेक्षा क्यों की। बाढ़ आती तो यकीनन नेताजी भी आते। नेताजी उनके दुख दर्द भी सुनते और फिर नेताजी के साथ-साथ उनके फोटो भी अखबारों में छपते। ईश्वर के पास अगर अखबारें जाती होंगी या ईश्वर स्वर्ग में बैठकर इंडियन चैनल देखते होंगे तो वह यह देखकर खुश हो जाते कि इंडिया में नेताजी कितने संवेदनशील होते हैं। जहां-जहां बाढ़ आती है, वहां वहां वह अवतरित होते हैं। कई बार बाढ़ से पहले से टूटी फूटी सडक़ें और ज्यादा टूट जाती हैं। पता ही नहीं चलता कि सडक़ पर चल रहे हैं या गड्ढे में चले जाएंगे। डटकर हुए खनन की वजह से बाढ़ के पानी में पुल भी बह जाते हैं। ऐसे में नेताजी की मजबूरी होती है कि हेलीकॉप्टर में बैठकर आसमान में उड़ते हुए बाढ़ प्रभावित इलाके का मुआयना किया जाए। नेताजी हेलीकॉप्टर में खिडक़ी के पास बैठ जाते हैं। जब कैमरामैन पूरी तरह से उनके चेहरे पर कैमरा फोकस कर लेता है तो नेताजी खिडक़ी से नीचे झांककर सर्वेक्षण करने लगते हैं। हेलीकॉप्टर में उनके साथ अधिकारी कम, नेताजी के चेले चंपू ज्यादा होते हैं। चंपू उछल-उछलकर उन्हें बताते हैं कि 'वाह साहब! क्या अद्भुत विहंगम दृश्य है। इस इलाके को अब जल क्रीड़ा की दृष्टि से काफी विकसित किया जा सकता है।' अपनी अपनी समझ के मुताबिक चेले चंपू और भी राय देते हैं। नेताजी धीर गंभीर होकर सुनते रहते हैं क्योंकि कैमरा भी उनके चेहरे पर फोकस होता है और उनके चेहरे के हाव-भाव की वीडियो भी बन रही होती है। वीडियो बनाने वालों को खास हिदायत होती है कि नेताजी का दुख उनके चेहरे पर दिखना चाहिए। उनके चेहरे पर सत्ता का सुकून नहीं दिखना चाहिए। नेताजी चेहरे से जितने गमगीन और दुखी दिखेंगे, पब्लिक में उनकी इमेज की उतनी ही ब्रांडिंग होगी जिसका फायदा चुनावों में मिलेगा। अब यहां कैमरामैन की पूरी टैलेंट दाव पर होती है। उसने सांस रोक कर नेताजी के हाव भाव पकडऩे होते हैं। नेताजी अगर समाधि में भी बैठे हों तो भी उनके चेहरे की गंभीरता और प्रभु भक्ति में तल्लीन उनकी मुद्रा को चुपचाप कमरे में कैद करना होता है। जरा सा शोर होते ही नेताजी की तंद्रा अगर टूट गई तो समाधि का पूरा खेल चौपट हो जाता है। इसलिए कैमरामैन अत्यंत चौकस रहते हैं। नेताजी भी मुआयना करते हुए कैमरामैन से ज्यादा चौकस रहते हैं। फिर जब जमीनी सर्वेक्षण और हवाई सर्वेक्षण पूरा हो जाता है तो फिर नेताजी राजधानी में लौटकर उच्च स्तरीय बैठक करते हैं। फिर मीडिया से मुखातिब होते हैं। विपक्ष को कोसते हैं कि आपदा की इस घड़ी में भी विपक्ष राजनीति कर रहा है। उनका यह बयान फिर अखबारों में छपता है।

देश दुनीया से

पाक से एक कदम पीछे क्यों रह गया भारत

> देश की एक अरब 40 करोड़ की आबादी और खिलाडिय़ों पर 4 अरब 70 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत एक स्वर्ण पदक तक हासिल नहीं कर सका। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करके पाकिस्तान ओलंपिक की सूची में भारत से आगे निकल गया। खेलों में भारत का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन बताता है कि सिर्फ जीडीपी में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से इस दिशा में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खेलों में संसाधनों के साथ खेल संस्कृति का जज्बा जरूरी है। पाकिस्तान ही नहीं, अफ्रीका के ऐसे देश, जो दशकों से घरेलू युद्ध का बेहद गरीबी में सामना कर रहे हैं, वे भी ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन में भारत को पछाड़ गए।

भुखमरी गरीबी और आतंकवाद का शिकार पाकिस्तान 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक तालिका में आगे रह कर भारत को शर्मिंदा कर गया। देश की एक अरब 40 करोड़ की आबादी और खिलाडिय़ों पर 4 अरब 70 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत एक स्वर्ण पदक तक हासिल नहीं कर सका। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करके पाकिस्तान ओलंपिक की सूची में भारत से आगे निकल गया। खेलों में भारत का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन बताता है कि सिर्फ जीडीपी में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से इस दिशा में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खेलों में संसाधनों के साथ खेल संस्कृति का जज्बा जरूरी है। पाकिस्तान ही नहीं, अफ्रीका के ऐसे देश, जो दशकों से घरेलू युद्ध का बेहद गरीबी में सामना कर रहे हैं, वे भी ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन में भारत को पछाड़ गए। भारतीय टीम से उम्मीद की गई थी कि वो टोक्यो ओलंपिक से अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम पिछले ओलंपिक से एक मेडल कम रह गई। टोक्यो ओलंपिक में एक मेडल के मुकाबले पेरिस में 6 मेडल आए हैं। इसमें 5 ब्रांज और एक सिल्वर है। सिल्वर मेडल नीरज चोपड़ा ने जीता। केंद्र सरकार ने ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाडिय़ों पर अरबों पर रुपए खर्च किए थे, लेकिन उसका परिणाम सुखद नहीं रहा है। पेरिस ओलंपिक में भारत की तरफ से 16 खेलों में 117 एथलीट गए थे। इस पर भारत सरकार ने कुल 470 करोड़ रुपए खर्च किए थे। एथलेटिक्स के अलग-अलग खेलों के लिए कुल 96.08 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। बैडमिंटन पर 72.03 करोड़, बॉक्सिंग पर 60.93 करोड़, शूटिंग 60.42 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। हॉकी पर 41.3 करोड़ और रेसलिंग पर 37.8 करोड़, आर्चरी में 39.18 करोड़ खर्च हुए थे। इसके अलावा वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, नौकायन जैसे खेलों पर भी करोड़ों खर्च हुए थे। औसतन एक मेडल के लिए सरकार को 78 करोड़ खर्च करने पड़े। भारत के लिए नीरज चोपड़ा ने जैवलिन में सिल्वर, मनु भाकर और सरबजीत सिंह ने शूटिंग में ब्रांज, भारतीय हॉकी टीम ने ब्रांज, अमन सहरावत ने कुश्ती में ब्रांज जीता। मनु भाकर ने 2 ब्रांज मेडल जीते थे। दूसरी तरफ भारत के पड़ोसी पाकिस्तान ने सिर्फ एक ही गोल्ड मेडल जीता है। लेकिन वह भारत से मेडल टैली में आगे निकल गया है, क्योंकि मेडल टैली में उसे ऊपर रखा जाता है, जो स्वर्ण पदक जीतता है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में कोई भी स्वर्ण पदक नहीं जीता है, जबकि पाकिस्तान के एक गोल्ड जीतते ही लॉटरी लग गई है। पेरिस ओलंपिक 2024 की मेडल टैली में भारत 71वें नंबर पर है, तो वहीं पाकिस्तान 62वें नंबर पर मौजूद है। हर विश्व चैंपियनशिप के दौरान भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई सवाल पूछे जाते हैं। हमारी टीमें अक्सर गुस्साए और निराश दर्शकों के सामने लौटती हैं और हम अपने मेहनती खिलाडियों पर भी अपनी निराशा व्यक्त करते हैं। खेलों में भारत की दुर्दशा का आलम यह है कि हॉकी के अलावा अन्य टीम वाले खेलों में भारत का विश्व स्तर पर अता-पता तक नहीं है। इसमें महिला टीम के खेलों की हालत और भी ज्यादा शोचनीय है। देश में खेल के लिए पर्याप्त वातावरण नहीं होने के अलावा लैंगिक भेदभाव भी खेलों में भारतीय महिलाओं के पिछडऩे की प्रमुख वजह है। भारत के ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन का कारण भारत की विश्व स्तर पर खराब रैंकिंग भी है। भारतीय टेनिस टीम विश्व में 23वें स्थान पर है। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम 127 देशों में से 34वें स्थान पर है। भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम 113 खेलने वाले देशों में से 100वें स्थान पर है। भारतीय बास्केटबॉल टीम 85 देशों में से 61वें स्थान पर है। नवीनतम फीबा रैंकिंग रिपोर्ट में हमारी रग्बी टीम 102 खेलने वाले देशों में से 74वें स्थान पर है। सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी आबादी, क्षेत्रफल और अर्थव्यवस्था वाले देश की हालत खेलों के प्रदर्शन में इतनी खराब कैसे है। खेलों की सुविधाओं में निवेश करने की भी जरूरत है। चीन ने ऐसा किया और कमाल का प्रदर्शन किया। ब्रिटेन ने ऐसा किया और लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि ने भी यही किया। जाहिर है कि अमेरिका के पास निवेश और एक बड़ी आबादी है जो कई ओलंपिक खेलों के लिए जुनूनी है, इसलिए उनका सामान्य प्रभुत्व है। लेकिन केन्या और इथियोपिया या जमैका जैसे देशों को देखें और जिस तरह से वे आर्थिक रूप से शक्तिशाली न होते हुए भी लगातार विशेष खेलों में विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने में सक्षम रहे हैं। इसका कारण यह है कि उनके पास उन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की परंपरा है और उन देशों के बच्चे शायद वहां के लोगों को अपना आदर्श मानते हुए बड़े होते हैं जिन्होंने ओलंपिक खेलों में भाग लिया है और जीत हासिल की है। भारतीय मानसिकता खेलों में खर्च करने के खिलाफ रही है, वह चाहे सरकारी स्तर पर हो या पारिवारिक स्तर पर। इसे व्यर्थ का गैरउत्पादक निवेश माना जाता है। चीनी टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन, जिसने हाल ही में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है, ने टेनिस खेलना शुरू करने के बाद से अब तक 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं।

आप का नजरीया

एक और 'निर्भया कांड'

दुर्भाग्य है कि जिन्हें हम 'जीवन-रक्षक' मानते हैं, 'जीवन-दाता' भी कहते हैं और कई असाध्य बीमारियों के संदर्भ में भगवान से भी तुलना करते हैं, ऐसी ही एक महिला डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और अंततः हत्या का 'राक्षसी काम' किया गया है। उनके साथी डॉक्टर ही नहीं, देश भर के डॉक्टरों का रोष और आंदोलन अब भी जारी है। करीब 3-4 लाख चिकित्सक देश भर में विरोध-प्रदर्शन को बाध्य किए गए हैं, लिहाजा अपने दायित्व को भी पीछे छोड़ कर वे अपने अस्तित्व और सुरक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश में महिला डॉक्टर और नर्स, अस्पताल के परिसर में होने के बावजूद, सुरक्षित नहीं हैं। उन बलात्कारियों को 'दरिंदा' कहें या कुछ और करार दें, वे कमोबेश इनसान नहीं हैं। उन्होंने मानवीय लबादा ओढ़ रखा है। कोलकाता के आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का यह मामला एक और 'निर्भया कांड' है। महिला ट्रेनी डॉक्टर की आंखों में उसके चश्मे का शीशा घुस गया, क्योंकि 'राक्षस' ने चश्मे पर भी वार किया था। डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट और छाती पर काफी गहरी चोट के निशान मिले हैं। सिर दीवार पर मारा गया था, लेकिन हत्या गला दबा कर की गई। ये पोस्टमॉर्टम के संक्षिप्त निष्कर्ष हैं। अच्छा हुआ कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से जांच सीबीआई को सौंप दी गई है, लेकिन मामला आईने की तरह सब कुछ बयां कर रहा है। ऐसे 'दानव' की सजा फांसी होनी चाहिए। मामला किसी गांव अथवा नाबालिग का नहीं है, जिसमें बहुस्तरीय जांच की दरकार होती है। पीड़िता भी बहुत कुछ बोल नहीं पाती। यह वीभत्स दुष्कर्म तो अस्पताल के सेमिनार रूम में किया गया, जहां 36 घंटे की लंबी ड्यूटी के बाद महिला डॉक्टर आराम करने या सोने गई थी। इस व्यवस्था पर भी सवाल होने चाहिए कि अस्पताल में सोने की समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई थी? दरअसल सुरक्षा बंदोबस्त और उनके कारगर होने के बीच 'गहरी खाई' है, इस केस से यह भी साबित हो गया। सवाल पुलिस की भूमिका पर भी उठाए जा रहे हैं, जिसने ऐसे बलात्कारी को 'वॉलंटियर' बना रखा है। दुष्कर्म की घटना के 5 दिन बाद तक भी पुलिस किसी शुरुआती निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई थी, लिहाजा अदालत ने जांच सीबीआई को सौंप दी। देश की राजधानी दिल्ली में जब 16 दिसंबर, 2012 की गहरी रात में 'निर्भया कांड' किया गया था और उसके बाद यौन हमलों, शोषण और उत्पीडऩ को लेकर नया कानून बनाया गया था, संसद खूब चीखी थी, तब कुछ सुकून महसूस हुआ था कि अब दरिंदगी कमोबेश कम होनी चाहिए, लेकिन वे प्रलाप 'नारी-शक्ति' तक ही सीमित रहे और औसत महिला की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो पाई। बलात्कार और हत्याएं तो आज भी देश भर में होती हैं। यह डॉक्टर का और वह भी अस्पताल के भीतर का मामला है, लिहाजा ज्यादा गंभीर और संवेदनशील है। कोलकाता से लेकर मुंबई तक महिला डॉक्टरों के साथ जघन्य अपराधों के मामले सामने आते रहे हैं। गंभीर चिंता और सरोकार का मुद्दा है कि यह वहशीपन कब समाप्त होगा? समाज और देश मनोविकृतियों के बीमार हैं क्या? केंद्र सरकार ने 'निर्भया फंड' बनाया था।

हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

सीकर/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जीवन को सही दिशा देने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हैं बल्कि उन्हें जीवन की हर परिस्थिति का सामना कर सफल बनने के लिए मार्गदर्शित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इसी गुरु-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है तथा प्रदेश के प्रत्येक युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। शर्मा रविवार को सीकर के सीएलसी संस्थान में पंडित हरिनाथ चतुर्वेदी और संत शिरोमणि मकड़ीनाथ महाराज के मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक प्रकरणों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। राज्य सरकार द्वारा इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन कर अब तक 157 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि युवाओं के साथ धोखा करने वाले किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तिकरण के विभिन्न निर्णय किए गए हैं, जिससे विदेशों में भारत का

सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए *स्वच्छ भारत अभियान,* महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए *बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ* अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए *एक पेढ़ मां के अपनाम* अभियान प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि *विकसित भारत-विकसित राजस्थान* की संकल्पना को साकार रूप देने के लिए हमारी सरकार तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए पानी की आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निर्णय ले रही है। ईआरसीपी, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर एवं यमुना जल समझौता जैसे अहम कदमों से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बिजली आपूर्ति के संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। हमारी सरकार द्वारा ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर एमओयू किए जा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया। शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकारी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए इस वर्ष एक लाख भर्तियों के लक्ष्य के साथ आगामी पांच वर्षों में चार लाख भर्तियां की जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा आगामी पांच वर्षों में निजी क्षेत्र के साथ मिलकर प्रदेश में कुल 10 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाएगा। कैलेण्डर बनाकर निरंतर भर्ती प्रक्रियाओं को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी तथा संभाग स्तर पर महाविद्यालय खोले जाएंगे जिससे खिलाड़ी देश-प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर रोशन कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में सीकर का पूरा ध्यान रखते हुए ढेरों घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का गठन होते ही शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का जल पहुंचाने के लिए लिए तीन दशक से अटके यमुना जल समझौता को पूरा किया। शर्मा ने कहा कि 100 करोड़ रूपए से खाटूश्याम कॉरिडोर का विकास, 90 करोड़ रुपए की लागत से एनएच-52 रामू का बास से एसएच-आठ कुड़ली बाइपास सड़क संबंधित कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल शाकम्भरी के विकास कार्य सहित सीकर की आईटीआई में 3डी प्रिंटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, फाइबर टू होम तकनीशियन, मल्टीमीडिया, एनीमेशन आदि से संबंधित ट्रेड्स प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वेद विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के मानदेय को आठ हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए प्रतिमाह करने तथा सीकर में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट (भ्रष्टाचार निरोधक एक्ट) न्यायालय खोले जाने की घोषणा की गई है। नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में प्रत्येक क्षेत्र में चहुमुंखी विकास हो रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परिसर में पंडित हरिनाथ चतुर्वेदी और संत शिरोमणि मकड़ीनाथ महाराज की मूर्ति का अनावरण भी किया। इस दौरान आयोजित रोड शो में शहरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इससे पहले हैलीपेड पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया तथा महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र बांधा। साथ ही, मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, विधायक सुभाष मील, गोवर्धन वर्मा सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

राजस्थान में भाजपा बनाएगी एक करोड़ सदस्य, 51 हजार बूथ से 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य : राठौड़

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर को प्रदेश स्तरीय कार्यशाला 20 अगस्त मंगलवार को आयोजित की जाएगी। भाजपा सदस्यता अभियान की कार्यशाला को लेकर रविवार को प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ. अरूण चतुर्वेदी, भाजपा महामंत्री एवं सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा एवं सोहनलाल ताम्बी ने कार्यशाला स्थल का निरीक्षण किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी संस्थान के सभागार में आयोजित की जाएगी। भाजपा ने सदस्यता अभियान को लेकर पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी को प्रदेश संयोजक बनाया है। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अभियान को लेकर उत्साहित है। सदस्यता अभियान में इस वर्ष 1 करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें भाजपा के प्रत्येक बूथ स्तर से लेकर मंडल स्तर और शक्ति केंद्रों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के 51 हजार बूथ पर 200-200 सदस्य बनाए जाएंगे। भाजपा के सदस्यता अभियान में जोश-उमंग और उत्साह के साथ नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे और सदस्य बनाए जाएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है और राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की डबल इंजन सरकार लगातार जनकल्याणकारी कार्यों को पूरा कर रही है। ऐसे में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़ने के लिए हर नागरिक तैयार है। अभियान को लेकर आयोजित की जा रही कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, सांसद, विधायक, भाजपा के मोर्चो के प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री, प्रकोष्ठों के संयोजक एवं सह-संयोजक, जिलाध्यक्ष एवं जिला महामंत्री, जिलों की सदस्यता टीम, महापौर-उपमहापौर, जिलों से प्रधान-उप प्रधान के साथ बोर्ड एवं आयोगों के अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

अभिनेत्री रुचि गुर्जर ने सचिन पायलट से मुलाकात की

जयपुर (हिंस)। अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता रुचि गुर्जर ने हाल ही में जयपुर में प्रमुख राजनीतिक नेता सचिन पायलट से मुलाकात की, जिसमें भारत में महिलाओं की सुरक्षा के बढ़ते चिंताओं, विशेष रूप से हालिया बलात्कार मामलों पर चर्चा की गई। इस बातचीत का केंद्र महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कानून प्रवर्तन और सामाजिक बदलाव की आवश्यकता पर था। रुचि गुर्जर ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की और सामूहिक कार्रवाई के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एक राष्ट्रीय प्राथमिकता है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि न्याय तेजी से और प्रभावी ढंग से मिले। सचिन पायलट ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए इन मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे में प्रमुखता से रखने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में बलात्कार मामलों में कानूनी प्रक्रियाओं को तेजी से निपटाने और लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दोनों ने भारत में महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए तत्काल और निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही इस लड़ाई में उनकी प्रतिबद्धता दूसरों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में कार्य करती है।

हिंदू विरोधी बयान दिए जाने पर बिफरे कार्यकर्ता

जींद (हिंस)। रविवार को जयति-जयति हिंदू महान संगठन कार्यकर्ताओं ने गोहाना रोड पर बायकॉट राहुल गांधी के हजारों पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और अपना विरोध दर्ज करवाया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि राहुल गांधी हिंदू विरोधी बयान दे रहे हैं। जिससे हिंदुओं में रोष है। संगठन संयोजक अतुल चौहान ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण से सियासी बवाल मचा हुआ है। सदन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने सत्ता पक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं वे हिंसा की बात करते हैं। अतुल चौहान ने कहा कि सभी हिंदुओं को हिंसक और नफरती बता कर उन्होंने संपूर्ण हिंदू समाज का अपमान किया है। उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। अतुल चौहान ने कहा कि राहुल गांधी सनातन और हिंदुओं को गाली देना, हिंदुओं को हिंसक, आतंकवादी बता रहे हैं।

चिकित्सा मंत्री स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने अचानक पहुंचे एसएमएस एवं सेटेलाइट अस्पताल

जयपुर (हिंस)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने अचानक जयपुर के एसएमएस अस्पताल एवं सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, आईपीडी एवं ओपीडी में निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं की स्थिति देखी और चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर प्रातः करीब 8.30 बजे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले आपातकालीन इकाई में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल में आ रहे रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध करवाया जाए। किसी भी मरीज को जांच एवं उपचार लेने में तकलीफ का सामना नहीं करना पड़े। चिकित्सा मंत्री ने जनरल वार्ड में जाकर आईपीडी सेवाओं का भी निरीक्षण किया। वे रोगियों से मिले और उनसे पूछा कि चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के कारण

उन्हें उपचार लेने में किसी तरह की कठिनाई तो नहीं है। रोगियों ने बताया कि उन्हें शनिवार को चिकित्सकों की हड़ताल के दौरान भी समुचित जांच एवं उपचार की सुविधा मिली। चिकित्सा मंत्री ने रजिस्ट्रेशन काउंटर एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई, वार्ड्स, आईसीयू सहित अन्य स्थानों पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू पाई गईं। इसके बाद चिकित्सा मंत्री सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां आपातकालीन सेवाओं की स्थिति देखी और रोगियों से बातचीत की। साथ ही, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी अवलोकन किया। यहां भी सभी सेवाएं सुचारू पाई गईं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में चिकित्सा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुगमतापूर्वक उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोलकाता में महिला रेजीडेंट चिकित्सक के साथ हुई घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके चलते देशभर में चिकित्सक समुदाय में रोष व्याप्त है और कार्य बहिष्कार की स्थिति उत्पन्न हुई है, लेकिन प्रदेश में सभी जिलों में वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। खींवसर ने बताया कि कार्य बहिष्कार की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए थे। वैकल्पिक व्यवस्थाओं के तहत चिकित्सकों की आपातकालीन इकाई, आईपीडी आदि में रोटेशन के आधार 24 घंटे उपस्थिति सुनिश्चित की गई। कंट्रोल रूम स्थापित किया तथा हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी की गई। इसके चलते किसी भी स्थान पर चिकित्सा सेवाओं को लेकर अप्रिय स्थिति पैदा नहीं हुई है।

सौ से ज्यादा अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में रविवार सुबह उस समय हडकंप मच गया, जब मोनिलेक अस्पताल और सीके बिरला अस्पताल सहित सौ से ज्यादा अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला। इस तरह की मेल मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन के होश उड़ गए। जानकारी के अनुसार मेल में लिखा कि अस्पताल के बेड के नीचे और बाथरूम के अंदर बम है और अस्पताल में मौजूद सभी लोग मारे जाएंगे। हर तरफ खून ही खून होगा। तुम सभी लोग मौत के ही लायक हो। मेल करने वाले ने खुद की पहचान लखा आतंकवादी चिंग और कल्टीस्ट के रूप में उजागर किया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंच कर पूरे अस्पताल परिसर में सर्च शुरू किया। पुलिस को अभी तक किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मेल करने वाले का आईपी एड्रेस सर्च किया जा रहा है।

पुलिस भर्ती प्रवेश परीक्षा : 27 केंद्रों पर प्रतिदिन 10, 605 अभ्यर्थी होंगे शामिल

23 से 31 अगस्त तक होगी प्रवेश परीक्षा, सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

झांसी (हिंस)। पेपर लीक होने के बाद निरस्त हो चुकी पुलिस भर्ती परीक्षा अब फिर से आयोजित कराई जा रही है। झांसी में 23 से 31 अगस्त तक 27 केंद्रों पर होने वाली इस परीक्षा में हर दिन 10, 605 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पुलिस प्रशासन ने परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे समेत वॉइस रिकॉर्डर लगाए जा रहे हैं। इनकी देखरेख में ही भर्ती परीक्षा कराई जाएगी। परीक्षा केंद्रों के पास सुरक्षा के भी तगड़े इंतजाम किए जाएंगे। यही नहीं, परीक्षा केंद्र में कक्ष निरीक्षक पुलिसकर्मी रखे जा रहे हैं। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा 23, 24, 25 एवं 30, 31 अगस्त को दो पालियों में होगी। पिछली बार पेपर लीक हो जाने से सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। इससे सबक लेते हुए पहले से ही इस

बार चाक-चौबंद इंतजाम किए जा रहे हैं। जनपद के कुल 27 परीक्षा केंद्रों में परीक्षा कराई जाएगी। इन केंद्र में प्रधानाचार्य कक्ष में कमांड कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। यहां सीसीटीवी कैमरे समेत वॉइस रिकॉर्डर के जरिए निगहबानी होगी। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल भी तैनात रहेगा। परीक्षा केंद्र में कक्ष निरीक्षक के तौर पर भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। कस्तूरबा कन्या इंटर कॉलेज, प्रेमनगर, सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इंटर कालेज, नियर जिला जज न्यायालय, बिपिन बिहारी इंटर कालेज, खुशीपुरा, सरस्वती इंटर कालेज, रायगंज, लहर की देवी, सीपरी बाजार, सरस्वती पाठशाला इंडस्ट्रियल लक्ष्मीबाई पार्क के सामने, किश्चियन इंटर कालेज, झोकनबाग, गुरु नानक खालसा इंटर कालेज, रायगंज, सीपरी बाजार, डीएवी इंटर कालेज, पठौरिया, बाहर दतिया गेट, पं. कृष्ण चंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज, लोकमान्य तिलक इंटर कालेज, बीएमएल, राजकीय गर्ल्स डिग्री कालेज, कचहरी चौराहा, झोकन बाग, शिक्षक इंटर कालेज, पैरामेडिकल के सामने आदि केंद्रों में परीक्षा आयोजित होगी। शुचितापूर्वक परीक्षा संपन्न कराने के लिए कमान जिलाधिकारी अविनाश कुमार और एसएसपी राजेश एस ने खुद संभाल ली है। दोनों अधिकारी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों की पॉजिशन की जांच कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र का गंभीरता से परीक्षण करने के बाद ही कक्ष में उनको प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी कैमरा, वॉइस रिकॉर्डर के साथ विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, रैंप आदि की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए हैं।

राजस्थान में आज रात 12 बजे से रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा

जयपुर (हिंस)। रक्षाबंधन को लेकर प्रदेश में महिलाएं आज रात 12 बजे से अगले 24 घंटे तक रोडवेज बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रोडवेज बसों में फ्री यात्रा की घोषणा की है। फ्री यात्रा की सुविधा आज रात 12 बजे के बाद राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क शुरू हो जाएगी। फ्री यात्रा की सुविधा एसी, वॉल्वो, और ऑल इंडिया परमिट की बसों में लागू नहीं होगा। रक्षाबंधन के मौके पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार 19 अगस्त 2024 को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर प्रदेश की सभी महिलाएं/बालिकाएं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से संचालित सभी कैटेगरी की बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगी।

आदेश के अनुसार राज्य की सीमा में सभी महिलाओं को कंडक्टर फ्री टिकट जारी करेंगे। यह टिकट इलेक्ट्रॉनिक टिकट मशीन से जारी करेंगे। मशीन नहीं होने की स्थिति में फ्री टिकट बुक कर महिला या बालिका यात्री के साथ ट्रैवल की तारीख नोट करेंगे। फ्री यात्रा केवल एक दिन के लिए मान्य होगी। नि:शुल्क यात्रा अगले 24 घंटे तक मान्य होगी। इसके लिए यात्रा करने वाली महिलाएं पहले से रिजर्वेशन भी करवा सकेंगी।

भारतीय सेना के जवानों को निजी स्कूल के बच्चियों ने बांधी रखी

कटिहार (हिंस)। सेना भर्ती कार्यालय कटिहार में आउटरीच कार्यक्रम के तहत रविवार को रक्षा बंधन त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर पूर्णियां से आए एक निजी स्कूलों के यूकेजी से पांचवीं कक्षा तक की बच्चियों ने सेना के जवानों की कलाई पर राखी बांधी। राखियां खूबसूरती से स्व. डिजाइन और बच्चियों के द्वारा बनाई गई थी। राखी बांधने का समारोह पारंपरिक रक्षा बंधन शैली में हुआ, जिसमें छात्रों ने राखी बांधी और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में उन्हें उपहार मिला। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल आरके नरवाल ने निजी स्कूल के इस पहल की सराहना की और इसके लिए स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. मौपाली मित्रा के प्रति आभार व्यक्त किया। कर्नल आरके नरवाल ने कहा कि इस आउटरीच कार्यक्रम ने न केवल बच्चों की रचनात्मकता को सामने लाया बल्कि इसने जवानों को भी सम्मानित महसूस कराया। उन्होंने नन्हे बच्चों और स्टूडेंट काउंसलर सीमा को रक्षा बंधन समारोह का नेतृत्व करने के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना इस आउटरीच कार्यक्रम की बहुत सराहना करती है। यह जवानों के लिए घर और गर्मजोशी की भावना लेकर आता है, क्योंकि अधिकांश जवान पर्व व त्यौहार के समय अपने परिजनों से दूर रहते हैं। उन्हें अपने प्रियजनों के साथ प्रेम और एकता के इस त्योहार को मनाने का मौका नहीं मिलता है।

तीन दिनों में 50 से अधिक हत्याओं पर आखिर नीतीश चुप क्यों : तेजस्वी यादव

पटना (हिंस)। बिहार में अपराध को लेकर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार पर तंज कसते हुए ट्वीट कर कहा कि तीन दिन में 50 से अधिक हत्याएं बिहार में हुई है। गिरती लाशों पर आखिर आप (नीतीश कुमार) चुप क्यों हैं? तेजस्वी के ट्वीट को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने रिट्वीट करते हुए लिखा है कि तीन दिन में 50 से अधिक हत्याएं, सैकड़ों लूट, चोरी और चहुंओर दुष्कर्म की घटनाओं से शर्मसार हुआ बिहार। तेजस्वी ने 87 मामलों का जिक्र कर खोली सुशासन की पोल, गिरती लाशों पर आखिर क्यों चुप है सीएम नीतीश? तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर हमला बोलते हुए सोशल मीडिया पर लिखा था कि भाजपा शासित डबल इंजन सरकार में बिहार में ट्रबलिंग क्राइम रिकॉर्ड! क्या आपने सीएम नीतीश कुमार को रिकॉर्डतोड़ अपराध, अनियंत्रित भ्रष्टाचार तथा बिहार में प्रतिदिन गिरती सैकड़ों लाशों और ढहते पुलों पर बोलते सुना? सुनेंगे भी नहीं? आपके सूचनार्थ और ध्यानार्थ पेश है विगत तीन से चार दिनों की चंद आपराधिक घटनाएं। सिवान में भाजपा कार्यकर्ता की गोली मार कर हत्या, पटना में भाजपा नेता अजय साह की गोली मार हत्या, राजगीर में घूमने आए पर्यटक की गोली मार कर हत्या, कैमूर में गोली मार एक शख्स की हत्या, सहरसा में दिनदहाड़े जदयू नेता की गोली मारकर हत्या, सुपौल में मछली व्यापारी की गोली मार कर हत्या, पूर्णिया में चाकू से गोद युवक की बेरहमी से हत्या, बेगूसराय में अपराधियों ने युवक को मारी गोली, पटना में अपराधियों ने घर में घुस 30 लाख के जेवर लूटे फिर गला दबा करी अधिवक्ता की हत्या, जमुई में एक व्यक्ति की निर्मम हत्या, बेगूसराय में युवक की तेल छिड़क जिंदा जला कर हत्या, बेगूसराय में पति-पत्नी व बच्चों का गला काट तीन की हत्या, जमुई में ट्रिपल मर्डर, आरा में जमीन विवाद में मां-बेटों सहित तीन की निर्मम हत्या, मुंगेर में मासूम की हत्या, पटना में एक युवक का शव मिला, अपराधियों ने की हत्या, मधुबनी में युवक को छत से फेंक कर हत्या, छपरा में युवक की हत्या कर शव कुएं में फेका, जहानाबाद में घर में घुस महिला की गोली मार हत्या, नालंदा में पीट-पीट कर महिला की निर्मम हत्या, मुजफ्फरपुरके बरुराज में युवक की बेरहमी से हत्या, पटना में मिस्त्री की गोली मार कर हत्या। इसके अलावा आरा में बदमाशों ने युवक को मारी गोली, नालंदा में 16 बदमाशों ने किया युवक का अपहरण, बेरहमी से पीटा फिर आंखें निकाल की निर्मम हत्या, दानापुर में एक युवक की गोलियों से भून हत्या, मुजफ्फरपुर में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप के बाद हत्या, वैशाली में दो बच्चों की मां की हत्या, मधुबन में 19 वर्षीय युवती की कुल्हाड़ी से काट हत्या। पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, सिवान में युवक की हत्या, बगीचे में लटकाया शव, बेगूसराय में एक ही परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या, गया में महिला की हत्या, भागलपुर में मिले एकसाथ पांच शव, पूर्णिया में छात्रा का शव मिला, पूर्वी चंपारण में वार्ड सदस्य के पति की गोली मार हत्या, समस्तीपुर में नाबालिग लड़के को लगी गोली, अररिया में गोली मार एक की हत्या, नालंदा में अपहरण कर नाबालिग की हत्या, सुपौल में नाबालिग लड़की की हत्या, वैशाली में थाने से 500 मी. दूर युवक की गोली मार हत्या, शाहबाद क्षेत्र में राजमिस्त्री की गोली मारकर हत्या, शिवहर में नाबालिग लड़के की हत्या, जहानाबाद में चाकू से गोद कर महिला की निर्मम हत्या, बेगूसराय के फुलवरिया में युवक को मारी गोली। पटना में ट्रेक्टर चालक की गोली मार हत्या, जमुई में नाबालिग से दुष्कर्म, दरभंगा में नाबालिग से दुष्कर्म, भभुआ में महिला से दुष्कर्म, फुलवारीशरीफ में युवती से दुष्कर्म, मोकामा में महिला से दुष्कर्म, सहरसा में अपराधियों ने पुलिस पर किया हमला, दारोगा घायल, कटिहार में राज्य खाद्य निगम के एजीएम को मारी गोली, चंपारण में बालू माफिया ने सीओ को ट्रैक्टर से रौंदने की कोशिश, पूर्णिया में मजिस्ट्रेट को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, गोपालगंज में शिक्षक के बेटे का अपहरण, लाखों की मांगी फिरौती, पूर्व मंत्री राघवेंद्र सिंह के घर पर फायरिंग, मुजफ्फरपुर में बदमाशों ने मांगी पांच लाख रंगदारी नहीं देने पर घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, पटना के राजीव नगर में महिला पर अंधाधुंध फायरिंग। पटना के खाजेकलां में बदमाशों ने की महिला पर फायरिंग, पटना के बीएन कॉलेज के पास कई राउंड फायरिंग, दहशत में छात्र, नालंदा में दिनदहाड़े दर्जनों राउंड फायरिंग से दहशत, वैशाली में पूर्व एमएलए के पेट्रोल पंप पर की लूटपाट, भोजपुर में बालू चालन ऑफिस से 15 लाख की लूट, पटना के फतुहा में फायरिंग कर व्यापारी के घर लूट, पटना के अगमकुंआ में 12 लाख की लूट, नौबतपुर में प्राइवेट बैंक से लाखों की लूट, मसौढ़ी में गोली मार फाइनेंस कर्मी से लाखों की लूट, बरौनी में व्यवसायी से दिनदहाड़े लाखों की लूट, बिहटा में बैंक से निकली महिला से लूट, पूर्वी चंपारण के घोड़ासहन में बैंककर्मी से 2.17 की लूट, समस्तीपुर में बाइक सवार से चार लाख लूटे।

महाराष्ट्र की सांगली मंडी में नये सोयाबीन की आवक के बीच सोयाबीन तिलहन टूटा

नई दिल्ली।
महाराष्ट्र के सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन के नये फसल की आवक शुरु होने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन के दाम में गिरावट के साथ बंद हुए। शिकागो एक्सचेंज में शुक्रवार रात लगभग दो प्रतिशत के सुधार के बीच यहां सरसों तेल तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम सुधार के साथ बंद हुए। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड अलग अलग राज्यों में तेल मात्रा की प्रतिशत के हिसाब से सरसों तिलहन की बिक्री 5,150 से 5,550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर कर रही है। हालांकि सरसों के नये एमएसपी के हिसाब से सरसों के दोनों भाव एमएसपी से कम ही हैं।

इसके अलावा प्रति क्विंटल सरसों के लिए लगभग 150 रुपये का वारदाना मुफ्त दिया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि मौजूदा समय में आयातित तेलों के थोक दाम बेहद सस्ते हैं। तेल तिलहन की महंगाई की चिंता करने वाले समीक्षकों व संबद्ध अधिकारियों को इस सुनहरे वक्त का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का इंतजाम करना चाहिये।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,925-5,965 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,425-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,350 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,290-2,590 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,875-1,975 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,875-2,000 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,100 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,775 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,750 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,575 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला-9025 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,300-4,330 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,110-4,235 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,150 रुपये प्रति क्विंटल।

न्यूज़ ब्रीफ

आईआईए सचिव ने उद्योगों की समस्याओं को मुख्य सचिव के समक्ष रखा

बिजनौर। बरेली में उत्तर प्रदेश प्लाईवुड एसोसिएशन द्वारा मुरादाबाद व बरेली मण्डल के उद्योगों निर्यातकों व किसानों के सम्बंध में आयोजित संवाद एवं समाधानों कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के समक्ष कार्यक्रम संयोजक व बिजनौर के उद्यमी आईआईए के डिवीजनल चेयरमैन विकास अग्रवाल द्वारा जनपद बिजनौर के उद्योगों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ रखा तथा जनपद बिजनौर में बड़े इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना, गुड़ क्रेशर इकाइयों की मंडी समिति व प्रदूषण विभाग की समस्याओं, सरकारी निर्माणों में फ्लाई ऐश ब्रिक के उपयोग, नगीना काष्ठ कला , अमानगढ़ टाइगर रिज़र्व में पर्यटन इकाइयों की स्थापना एवं ईंट भट्ठों में जेसीबी के उपयोग के नाम पर स्थानीय प्रशासन द्वारा किये जा रहे शोषण आदि समस्याओं के निराकरण की मांग की। मुख्य सचिव द्वारा अनेक समस्याओं का निराकरण मंच से ही किया गया। इस अवसर पर सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आशीष तिवारी , प्रदेश के कई उच्च अधिकारियों सहित बरेली कमिश्नर एवं आईआईए के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिनेश गोयल व अन्य अधिकारियों एवं आईआईए बिजनौर चैप्टर चेयरमैन अवनीश अग्रवाल सचिव दीपक अग्रवाल, अंशुल सिंघल, भट्ठा उद्योग से राजीव गोयल गुड़ क्रेशर उद्योग से अरुण अग्रवाल आशेन्द्र सिंघल सुरेश गुप्ता, प्लाई वुड उद्योग से रामदर्शन अग्रवाल देवेंद्र कुमार आदि उद्यमियों की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम के आयोजक व उत्तर प्रदेश प्लाईवुड एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने की।

फॉक्सकॉन ने 700 करोड़ में अपने कर्मचारियों के लिए बनाए घर

नई दिल्ली। ऐपल के लिए ज्यादातर आईफोन बनाने वाली विश्व की प्रमुख बड़ी कॉन्ट्रेक्ट मैन्युफैक्चरर फॉक्सकॉन ने 706 करोड़ रुपये खर्च करके अपने कर्मचारियों के लिए घर बनाए हैं। इन घरों का निर्माण तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में किया गया है जहां फॉक्सकॉन का एक प्लांट है। राज्य के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को इस मेगा औद्योगिक आवास सुविधा का उद्घाटन किया। ताइवान स्थित फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप के चेयरमैन यंग लियू की मौजूदगी में 706.50 करोड़ रुपये की इस सुविधा का उद्घाटन किया गया, जिसमें सीसीसी के कर्मचारी रह सकते हैं। सभी सुविधाओं के साथ 20 एकड़ में बने इस परिसर में दस मंजिलों वाले 13 ब्लॉक हैं। यह भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आवास परियोजना अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय उदाहरण पेश करेगी। उन्होंने कहा कि फॉक्सकॉन की श्रीपेरंबदूर में दो इकाइयां हैं और कंपनी में करीब 41,000 लोग कार्यरत हैं, जिनमें से 35,000 महिलाएं हैं।

भारत को 2030 तक 14.8 करोड़ रोजगार पैदा करने की जरूरत : गोपीनाथ

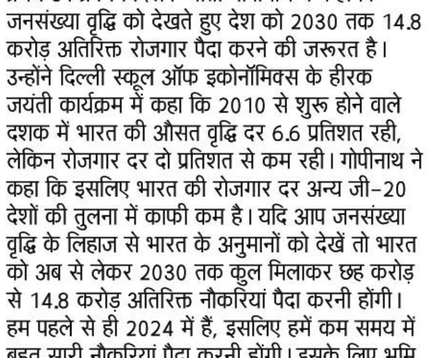

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए देश को 2030 तक 14.8 करोड़ अतिरिक्त रोजगार पैदा करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के हीरक जयंती कार्यक्रम में कहा कि 2010 से शुरू होने वाले दशक में भारत की औसत वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रही, लेकिन रोजगार दर दो प्रतिशत से कम रही। गोपीनाथ ने कहा कि इसलिए भारत की रोजगार दर अन्य जी-20 देशों की तुलना में काफी कम है। यदि आप जनसंख्या वृद्धि के लिहाज से भारत के अनुमानों को देखें तो भारत को अब से लेकर 2030 तक कुल मिलाकर छह करोड़ से 14.8 करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा करनी होंगी। हम पहले से ही 2024 में हैं, इसलिए हमें कम समय में बहुत सारी नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए भूमि सुधार और श्रम संहिताओं को लागू करने सहित बुनियादी सुधारों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अधिक नौकरियां के अवसर देने के लिए निजी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है, क्योंकि यह सकल घरेलू उत्पाद में सात प्रतिशत वृद्धि के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निवेश अच्छा चल रहा है, लेकिन निजी निवेश में सुधार करना होगा।

घरेलू शेयर बाजार पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का दबाव

शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों ने अभी तक 21,101 करोड़ निकाले

नई दिल्ली।
अगस्त के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रखने की कोशिश की है, जिसकी वजह से सेंसेक्स में ऊपरी स्तर से करीब 1,700 अंक और निफ्टी में ऊपरी स्तर से करीब 540 अंक तक की गिरावट आ चुकी है। माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियो पोलिटिकल टेंशन और जापान की मुद्रा येन में %कैरी ट्रेड% के बंद होने से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस महीने शुद्ध बिकवाल की भूमिका में आ गए हैं।

अगस्त में अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 21,101 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की है। जानकारों का कहना है कि जापान की मुद्रा येन में कैरी ट्रेड बंद होने से विदेशी निवेशकों ने अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया है। कैरी ट्रेड का मतलब कम ब्याज दर वाले देश से पैसा निकाल कर दूसरे देश के एसेट्स में निवेश करना होता है। बैंक ऑफ जापान ने हाल में ही ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जिसकी वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जापान में अपना निवेश बढ़ाने के लिए भारत समेत दूसरे स्टॉक मार्केट से पूंजी की निकासी शुरू कर दी है।

शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून और जुलाई के महीने में नेट बायर की भूमिका निभा रहे थे, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी हुई थी। जून के महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 26,565 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इसी तरह जुलाई के महीने में भी विदेशी निवेशकों ने 32,365 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इन दो महीनों की तेजी के बाद अब विदेशी निवेशक मुनाफा वसूली करके अपना पैसा निकालने में जुट गए हैं, जिसका असर घरेलू शेयर बाजार की चाल पर भी पड़ा है। इसके अलावा शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन और कंपनियों के तिमाही नतीजों की वजह से भी विदेशी निवेशक बिकवाली कर रहे हैं। इस बार के बजट में इक्विटी इन्वेस्टमेंट पर कैपिटल गैन टैक्स में बढ़ोतरी करने का प्रावधान शामिल करने की वजह से भी विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ा दिया है।

शेयर मार्केट एनालिस्ट प्रकाश गाबा का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जिस तरह से बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश की है, उसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट भी आ सकती थी लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने आक्रामक लिवाली करके इस खतरे को टाल दिया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण शेयर बाजार में कुछ गिरावट तो जरूर आई लेकिन डीआईआई के एक्टिव होकर लिवाली करने से छोटे निवेशक बड़े नुकसान से बच गए।

प्रकाश बाबा के मुताबिक घरेलू घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में मजबूती से खरीदारी करने का ट्रेंड पिछले दो-तीन सालों के दौरान काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से अब घरेलू शेयर बाजार को विदेशी निवेशक अपनी मर्जी के मुताबिक उठा या गिरा नहीं सकते हैं। विदेशी निवेशक जब भी भारतीय स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव बनाने की कोशिश करते हैं, तब घरेलू संस्थागत निवेशक आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर देते हैं, जिससे बाजार आमतौर पर बड़ी गिरावट से बच जाता है। ऐसा होने से खुदरा निवेशक भी बड़े नुकसान का सामना करने से बच जाते हैं। घरेलू संस्थागत निवेशकों की ये मजबूती देश की अर्थव्यवस्था में लगातार आ रही तेजी को भी दर्शाता है।

विदेशी निवेशक तय करेंगे शेयर बाजार की चाल - विश्लेषक

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। कंपनियों के वित्तीय परिणाम जारी हो चुके हैं, ऐसे में इन दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। यह बात विशेषज्ञों ने कही है। इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर निवेशकों की नजर होगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि चूंकि कंपनियों के वित्तीय परिणाम आ चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह, वृहद आर्थिक मोर्चों पर ऐसी कोई महत्वपूर्ण गतिविधियां नहीं हैं, जिससे निवेशक संकेत लें। हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक 21,201 करोड़ के शेयर बेचे

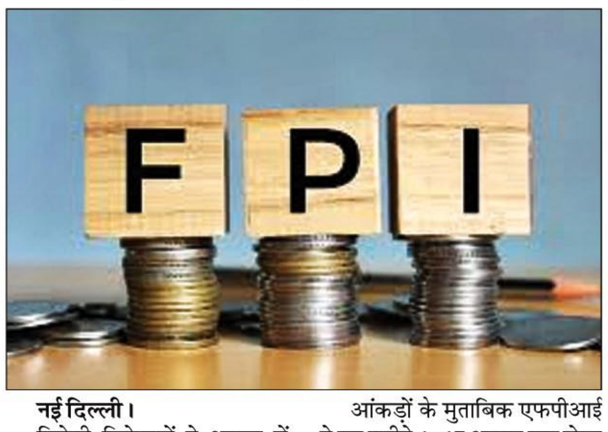

नई दिल्ली।
विदेशी निवेशकों ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजारों में अब तक कुल 21,101 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इसकी वजह येन मुद्रा में कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश का बंद होना, अमेरिका में मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफआईआई ने जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे थे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आर्थिक वृद्धि निरंतर बने रहने, सुधार जारी रहने, कंपनियों के तिमाही परिणाम उम्मीद से बेहतर रहने और राजनीतिक स्तर पर स्थिरता की उम्मीद में इन दो महीनों में निवेश किये। इससे पहले एफपीआई ने लोकसभा चुनावों के दौरान मई में 25,586 करोड़ रुपये और मॉरीशस के साथ भारत के कर समझौते में बदलाव तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार वृद्धि पर चिंताओं के बीच अप्रैल में 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी।

आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 1-17 अगस्त तक शेयर बाजार से 21,201 करोड़ रुपये की पूंजी निकासी की है। एफपीआई ने इस साल अब तक इक्विटी शेयर में 14,364 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अगस्त में एफपीआई की निकासी का मुख्य कारण वैश्विक और घरेलू कारक हैं। बाजार के जानकार कहते हैं कि वैश्विक स्तर पर, येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने, वैश्विक मंदी की आशंका, धीमी आर्थिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर जारी संघर्षों को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता और जोखिम से बचने का रुख बना है। बैंक ऑफ जापान ने मुख्य ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत तक की वृद्धि की है। इसके बाद में येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से पूंजी निकासी शुरू हुई। घरेलू स्तर पर जून और जुलाई में शुद्ध लिवाल होने के बाद कुछ एफपीआई ने पिछली तिमाहियों में मजबूत तेजी के बाद मुनाफा वसूली का विकल्प चुना होगा।

इसके अलावा कंपनियों के तिमाही परिणाम मिले-जुले होने तथा अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन ने भारतीय शेयर बाजार को कम आकर्षक बना दिया है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में सात का मार्केट कैप 1.40 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली ।
बीते सप्ताह देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,40,863.66 करोड़ रुपये बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स में एक प्रतिशत की तेजी के साथ कंपनियों का बाजार मूल्यांकन बढ़ा है। बेहतर कारोबारी उम्मीद के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लाभ में रहीं। पिछले सप्ताह अवकाश के कारण कारोबारी दिवस कम था।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 67,477.33 करोड़ रुपये बढ़कर 15,97,946.44 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 36,746.21 करोड़ रुपये बढ़कर 7,72,023.49 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,727.55 करोड़ रुपये बढ़कर 8,45,123.87 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,913.96 करोड़ रुपये बढ़कर 8,36,115.19 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 8,569.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,399.10 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 5,311.4 करोड़ रुपये

बढ़कर 20,00,076.41 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 117.48 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,926.13 करोड़ रुपये रहा। हालांकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का बाजार पूंजीकरण 47,943.48 करोड़ रुपये घटकर 6,69,058.26 करोड़ रुपये पर रहा।

एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 13,064 करोड़ रुपये घटकर 12,43,441.53 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपये घटकर 7,25,080.10 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमश- टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

भारत को 2030 तक एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी : आईसीएसआई

नई दिल्ली।
कंपनी सचिवों के शीर्ष निकाय आईसीएसआई का कहना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और बढ़ते हुए कंपनी संचालन के दौरान भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की जरूरत होगी।

वर्तमान में 73,000 से अधिक कंपनी सचिव हैं और इनमें से लगभग 12,000 कंपनी सचिव कार्यरत हैं। कंपनी सचिव कंपनियों में विभिन्न सांविधिक जरूरतों का अनुपालन सुनिश्चित कर कॉरपोरेट संचालन ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और कंपनी सचिव भारत को दुनिया के सबसे पसंदीदा निवेश स्थलों में से एक बनाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी बन गये हैं। उन्होंने हाल ही में कहा कि भारत को 2030 तक लगभग एक लाख कंपनी सचिवों की आवश्यकता होगी।

विभिन्न अनुमानों के अनुसार भारत के 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय की इस साल जनवरी में

जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि वित्तीय क्षेत्र और हाल के तथा भविष्य के संरचनात्मक सुधारों के दम पर आने वाले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत से ऊपर रहेगी।

मुद्रास्फीति रुख और विनिमय दर के आधार पर, भारत 2030 तक 7,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। संस्थान ने पेशे में अधिक युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए कंपनी सचिव कार्यकारी कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का सीधा पंजीकरण भी शुरू किया है। आईसीएसआई ने अन्य उपायों के अलावा कॉरपोरेट निदेशक मंडल में अपनाई जाने वाली सचिव स्तर की गतिविधियों में एकरूपता लाने के लिए मानक पेश किये हैं।

रक्षाबंधन के पहले सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी सोना और चांदी की कीमों में आया उछाल

नई दिल्ली।
रक्षाबंधन के पहले दिन घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को जोरदार तेजी नजर आई। सोने की कीमत में 1,150 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह चांदी भी 1,900 रुपये से लेकर 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है। रविवार की तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,700 रुपये के स्तर को पार कर गया है। रविवार को सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,920 रुपये से लेकर 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,850 रुपये से लेकर 66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 86,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

73 हजार रुपये के करीब पहुंचा सोना, चांदी 86 हजार के सोपान पर

देश की राजधानी दिल्ली में रविवार को 24 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,820 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना रविवार को 72,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इस हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने जुटाई 395 मिलियन डॉलर फंडिंग

नई दिल्ली। बीते हफ्ते भारतीय स्टार्टअप्स ने 20 डील के जरिए 395 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह आंकड़ा इससे पहले 113 मिलियन डॉलर का था, जो 22 डील में जुटाए गए थे। हॉस्पिटैलिटी और ट्रेवल-टेक कंपनी ओयो ने इस हफ्ते नेतृत्व किया है। सीरीज-जी राउंड के तहत इनक्रैंड वेल्थ, पेशेंट कैपिटल, जेएंडए पार्टनर, मैनकाइंड फार्मा के प्रमोटर्स और एएसके फाइनेंशियल होल्डिंग्स और अन्य निवेशकों से 1,457 करोड़ रुपये (175 मिलियन डॉलर) की राशि जुटाई गई है। वहीं वेल्थ और एसेट्स मैनेजमेंट फर्म नियो की ओर से 400 करोड़ रुपये (करीब 48 मिलियन डॉलर) की राशि सीरीज-बी राउंड के तहत एमयूएफजी बैंक और न्यूयॉर्क आधारित यूक्लिडियन कैपिटल एलएलसी एवं अन्य निवेशकों से जुटाए हैं। ईवी फर्म एथर एनर्जी ने 71 मिलियन डॉलर की फंडिंग 1.3 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर जुटाई है, जो इस कंपनी को यूनिकॉर्न बना देती है। कंपनी को बीते तीन महीने में 125 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाने में सफलता मिली है। जुलाई में सभी भारतीय स्टार्टअप ने मिलकर 1.03 अरब डॉलर की राशि जुटाई थे। इसमें से 28 डील ग्रोथ या लेट स्टेज की थी, जिसमें 725 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था। वहीं, 72 डील शुरुआती स्टेज की थी, इसमें 311.83 मिलियन डॉलर जुटाए गए थे।

पेरिस ओलंपिक के हॉकी खिलाड़ियों पर पंजाब सरकार ने की धनवर्षा

आठ खिलाड़ियों को दिया एक-एक करोड़ का इनाम

चंडीगढ़।
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के पंजाब के आठ खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपये और ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले 11 अन्य खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपये के चेक दिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि प्रदेश और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 52 वर्षों के अंतराल के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया को हराकर बेहद खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि टीम का पदक जीतना हर देशवासी के लिए सपने के साकार होने जैसा है। सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान हरमनप्रीत ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया, जिससे टीम जीत की ओर अग्रसर हुई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नेतृत्व की क्षमता बेमिसाल थी, जिसके कारण टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरमनप्रीत ने अकेले ओलंपिक में 10 गोल किए हैं और प्रदेश सरकार आज इन हीरों को सम्मानित कर रही है।

उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके कीर्तिमान की सराहना कर रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारतीय हॉकी पुनरुत्थान के रास्ते पर है और पंजाब नवंबर महीने में हॉकी की चार विश्व स्तरीय टीमों के बीच लीग टूर्नामेंट आयोजित करने पर विचार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तत्परता से काम कर रही है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि 'खेडा वतन पंजाब दीयां' का तीसरा संस्करण 28 अगस्त से शुरू होगा, जो प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि पंजाब सरकार प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए माहिलपुर क्षेत्र में फुटबॉल, संगरूर में बॉक्सिंग, जालंधर में हॉकी, लुधियाना में एथलेटिक्स और अन्य खेल क्लस्टरों का विकास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद इनाम और नौकरियों के अलावा प्रदेश सरकार पहले से दी गई नौकरियों में तरक्की देने की संभावना भी तलाशेगी। एक विशेष भूमिका निभाते हुए भगवंत सिंह मान ने ओलंपिक मैचों के दौरान मैदान में उनके अनुभवों के बारे में खिलाड़ियों से सवाल-जवाब भी किए।

हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह और अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा दिखाई गई शानदार खेल भावना की सराहना की, जिसके कारण टीम ने शानदार जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि इन खिलाड़ियों को नशे के खिलाफ प्रदेश की मुहिम के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया जाएगा, ताकि हमारे युवाओं को प्रेरणा मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

मयंक की वापसी को लेकर अभी से कुछ नहीं कह सकते : जय शाह

मुम्बई। आईपीएल 2024 सत्र में अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचने वाले तेज गेंदबाजी मयंक यादव अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अभ्यास कर रहे हैं। वहीं ये अटकलें भी लगायी जा रहीं हैं कि मयंक को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सिरीज में अवसर मिल सकता है। दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव जय शाह का कहना है कि मयंक को टी20 सीरीज में अवसर मिलेगा या नहीं। इसपर अभी से कुछ नहीं कहा जा सकता है। बीसीसीआई सचिव ने कहा, मैं अभी से मयंक की वापसी को लेकर कोई बात नहीं कह सकता। इसकी कोई गारंटी नहीं दे सकता है कि वह टीम में होगा या फिर नहीं पर ये सही है कि वो एक अच्छा गेंदबाज है। हमारी नजरें उसपर बनी हुई हैं। मयंक ने आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शानदार गेंदबाज की थी। उनकी 155 किमी की तूफानी रफ्तार से सभी हैरान थे। ये आईपीएल में अब तक की सबसे तेज गेंदबाजी है। मयंक यादव ने अपने पहले ही आईपीएल में 155 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी का रिकार्ड बनाया। वह इसी गति से लगातार गेंदबाजी करते रहे। मयंक आईपीएल इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज हैं जिनहें अपने शुरुआती दोनों मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला पर इसके बाद वह इस सफलता को बरकरार नहीं रख पाये। अपने तीसरे मैच में वह केवल एक ओवर ही गेंदबाजी कर सके और चोटिल होकर बाहर हो गये।

ऋषभ की टीम दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती मैच में हारी

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली 6 टीम को दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में उसे दिल्ली सुपरस्टार्स ने 3 विकेट से हराया। इस मैच में पुरानी दिल्ली 6 के प्रमुख बल्लेबाज ऋषभ पंत भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। इस मैच में आयुष बडोनी की कप्तानी वाली दिल्ली सुपरस्टार्स ने पुरानी दिल्ली 6 की ओर से रखे गए 198 रनों के लक्ष्य को सात विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांस आर्या और सार्थक राय ने पहले विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी कर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। प्रियांश ने 30 गेंदों पर 57 रन बनाए जबकि सार्थक राय ने 26 गेंदों पर 41 रन बनाये जबकि कप्तान आयुष बडोनी ने 29 गेंदों पर तेजी से 57 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और एक चौका भी लगाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से शिवम ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए. इससे पहले ऋषभ की पुरानी दिल्ली 6 टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 197 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अर्पित राणा ने 59 रन बनाये जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ ने 32 गेंदों पर 35 रन बनाये।

बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले ही झटका , सलामी बल्लेबाज महमुदुल बाहर हुए

ढाका। बांग्लादेश को पाकिस्तान के खिलाफ सिरीज शुरु होने से पहले ही करारा झटक लगा है। उसके सलामी बल्लेबाज महमुदुल हसन आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम से बाहर हो गये हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अभी तक महमुदुल की जगह किसे शामिल किया जाएगा इसकी घोषणा नहीं की है। बीसीबी के मुख्य चिकित्सक देवाशीष चौधरी ने कहा कि महमुदुल की दाहिनी कमर में चोट लगी है और इस कारण वह तीन सप्ताह तक टीम से बाहर रहेंगे। महमुदुल को ये चोट इस्लामाबाद में एक अभ्यास मैच में दौरान लगी। ये मैच शाहीन और बंगलादेश-ए टीम के लिए खेला था। इसमें उन्हें क्षेत्ररक्षण के दौरान चोट लग गई, जिसके कारण वह दूसरी पारी में बल्लेबाजी तक नहीं कर सके। महमुदुल ने पहली पारी में शाहीन के खिलाफ 65 रन बनाकर बनाये थे। बंगलादेश का मेजबान टीम के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 21 अगस्त को रावलपिंडी में शुरू होगा जबकि दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से कराची में को शुरू होगा। बांग्लादेश की टीम लाहौर में तीन दिवसीय अभ्यास सत्र के समापन के बाद टेस्ट के लिए रावलपिंडी पहुंचेगी।

आईसीसी ने अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम घोषित किया

भारत समेत दुनिया की 16 टीमें लेंगी हिस्सा

18 जनवरी 2025 से शुरु होगा महासंग्राम

दुबई।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले साल मलेशिया में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस टूर्नामेंट में भारत सहित दुनिया भर की 16 टीमें भाग लेंगी। इस दौरान 41 मैच खेले जाएंगे। ये टूर्नामेंट 18 जनवरी से शुरु होगा और इसका खिताबी मुकाबला फरवरी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट से पहले 13 से 16 जनवरी तक 16 अभ्यास मैच भी होंगे। यह महिला अंडर-19 विश्व कप का दूसरा संस्करण है। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में वेस्टइंडीज, श्रीलंका और मेजबान मलेशिया से होगा। भारतीय टीम अपना पहला मैच 19 जनवरी को वेस्टइंडीज से खेलेगी।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के ग्रुप

ग्रुप ए - भारत (ए1), वेस्टइंडीज (ए2), श्रीलंका (ए3) और मलेशिया (ए4), **ग्रुप बी** - इंग्लैंड (बी1), पाकिस्तान (बी2), आयरलैंड (बी3) और यूएसए (बी4), **ग्रुप सी** - न्यूजीलैंड (सी1), दक्षिण अफ्रीका (सी2), अफ्रीका के क्वालीफायर (सी3) और समोआ (सी4), **ग्रुप डी** - ऑस्ट्रेलिया (डी1), बांग्लादेश (डी2), एशिया के क्वालीफायर (डी3) और स्कॉटलैंड (डी4)।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का कार्यक्रम

18 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल

18 जनवरी : इंग्लैंड बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर

18 जनवरी : समोआ बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

18 जनवरी : बांग्लादेश बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

18 जनवरी : पाकिस्तान बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

18 जनवरी : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

19 जनवरी : श्रीलंका बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल

19 जनवरी : भारत बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल

20 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश, यूकेएम वाईएसडी ओवल

20जनवरी : आयरलैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

20 जनवरी : न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

20 जनवरी : स्कॉटलैंड बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

20 जनवरी : इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान, जेसीए ओवल, जोहोर

20 जनवरी : दक्षिण अफ्रीका बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

21 जनवरी : वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल

21 जनवरी : भारत बनाम मलेशिया, बेयूमास ओवल

22 जनवरी : बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड, यूकेएम वाईएसडी ओवल

22 जनवरी : इंग्लैंड बनाम यूएसए, जेसीए ओवल, जोहोर

22 जनवरी : न्यूज़ीलैंड बनाम समोआ, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

22 जनवरी : ऑस्ट्रेलिया बनाम एशिया क्वालीफायर, यूकेएम वाईएसडी ओवल

22 जनवरी : पाकिस्तान बनाम आयरलैंड, जेसीए ओवल, जोहोर

22 जनवरी : दक्षिण अफ्रीका बनाम अफ्रीका क्वालीफायर, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

23 जनवरी : मलेशिया बनाम वेस्टइंडीज, बेयूमास ओवल

23 जनवरी : भारत बनाम श्रीलंका, बेयूमास ओवल

24 जनवरी : बी4 बनाम सी4, जेसीए ओवल, जोहोर

24 जनवरी : ए4 बनाम डी4, जेसीए ओवल, जोहोर

25 जनवरी : सुपर सिक्स - बी2 बनाम सी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल

25 जनवरी : सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

25 जनवरी : सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल

25 जनवरी : सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

26 जनवरी : सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी3, बेयूमास ओवल

26 जनवरी : सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी2, बेयूमास ओवल

27 जनवरी : सुपर सिक्स - बी1 बनाम सी3, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

28 जनवरी : सुपर सिक्स - ए3 बनाम डी2, बेयूमास ओवल

28 जनवरी : सुपर सिक्स - सी1 बनाम बी2, सरवाक क्रिकेट ग्राउंड

28 जनवरी : सुपर सिक्स - ए1 बनाम डी3, बेयूमास ओवल

29 जनवरी : सुपर सिक्स - सी2 बनाम बी3, यूकेएम वाईएसडी ओवल

29 जनवरी : सुपर सिक्स - ए2 बनाम डी1, यूकेएम वाईएसडी ओवल

31 जनवरी : सेमीफाइनल 1, बेयूमास ओवल

31 जनवरी : सेमीफाइनल 2, बेयूमास ओवल

2 फरवरी : फाइनल, बेयूमास ओवल में खेला जाएगा।

द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट

फीनिक्स बाहर हुई, सदर्न ब्रेव फाइनल में पहुंची

लंदन।
बर्मिंघम फीनिक्स टीम द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। उसे टूर्नामेंट के एलिमिनेटर मुकाबले में सदर्न ब्रेव ने हराया। इस मैच में बर्मिंघम की टीम को सुपर-5 (सुपर ओवर) में हार का सामना करना पड़ा। अब फाइनल में सदर्न ब्रेव का मुकाबला ओवल इनविंसिबल्स से होगा। बर्मिंघम फीनिक्स को मैच की अंतिम 5 गेंद में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे। तब अकील हुसैन की नो बॉल पर लियाम लिविंगस्टोन ने छक्का लगा दिया।

ऐसे में 5 गेंद पर टीम को जीत के लिए 3 रन चाहिए थे। एक गेंद पर खेल नहीं पाने के बाद लिविंगस्टोन पेवेलियन लौट गए। अकील ने इसके बाद एक और डॉट गेंद फेंकी। आखिरी दो गेंद पर फीनिक्स के बल्लेबाज दो रन ही बना पाए। इस तरह मैच टाई रहा। इसके बाद सुपर-5 से विजेता का फैसला हुआ। इसमें दोनो ही टीमों को पांच पांच गेंद खेलने का अवसर मिला।

सदर्न ब्रेव के लिए जोफ्रा आर्चर ने सुपर ओवर में गेंदबाजी की। पहली गेंद पर उन्होंने लिविंगस्टोन को आउट कर दिया। लेकिन दूसरी पर जैकब बेथेल ने चौका मार दिया। इसके बाद तीन गेंद पर आर्चर ने तीन ही रन दिए। उनकी टीम को जीत के लिए 8 रनों का लक्ष्य मिला। वहीं फीनिक्स की ओर से एडम मिल्ने ने गेंदबाजी की। ब्रेव की ओर से पोलार्ड के साथ क्रिस जॉर्डन बल्लेबाजी के लिए उतरे। पोलार्ड ने पहली गेंद पर एक रन लिया। इसके बाद जॉर्डन ने चौका लगाया। तीसरी गेंद पर दो रन लेने के बाद उन्होंने एक और चौका लगाकर अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाया। इससे पहले सदर्न ब्रेव की टीम ने कप्तान जेम्स विंस के 43 रनों से 6 विकेट पर 126 रन बनाए थे।

स्मिथ को इस बार आईपीएल में अवसर मिलने की उम्मीद

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन से खुश हैं और उन्हें उम्मीद है कि इस आधार पर उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है। स्मिथ को टी20 विश्व कप के बाद स्कॉटलैंड एवं इंग्लैंड के आगामी दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था।

डीडीसीए ने ऋषभ सहित चार क्रिकेटरों को सम्मानित किया

नई दिल्ली।
दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का पहला सत्र शुरु होने पर विराट कोहली के साथ ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के अलावा शिखर धवन और ईशांत शर्मा को सम्मानित किया।

डीडीसीए ने इन चारों खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर चेक दिए। विराट इस समारोह में शामिल नहीं हो पाये। लीग के पहले मैच में ऋषभ पंत ने अपनी टीम पुरानी दिल्ली 6 की ओर से खेलते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार के खिलाफ 31 गेंदों में 35 रन बनाए।

इस मैच के बाद ऋषभ ने कहा, मैं दिल्ली प्रीमियर लीग में खेलकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह लीग उन खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा अवसर है, जिन्हें आईपीएल में खेलने का अवसर नहीं मिलता है।

साथ ही कहा कि इससे युवाओं को एक मंच मिला है। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी को लेकर विवाद जारी

मुम्बई। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के मालिकों में हिस्सेदारी के बंटवारे को लेकर विवाद जारी है। पंजाब किंग्स की टीम में कुल चार शेयर धारक हैं। प्रीति जिंटा , नेस वाडिया, मोहित बर्मन और करण पॉल हैं। ऐसे में मामला और उलझा हुआ है। इस मामले में एक हिस्सेदार प्रीति जिंटा ने तो अदालत का तक रुख तक किया है। प्रीति जिंटा के पास केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के जरिये पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी में 23 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं मोहित डाबर इंडिया के चेयरपर्सन हैं। मोहित बर्मन पंजाब किंग्स में सबसे बड़े शेयर धारक हैं। उनके पास पंजाब किंग्स की 48 फीसदी की हिस्सेदारी है, जबकि प्रीति जिंटा और नेस वाडिया के पास 23-23 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके बाद का हिस्सा करण पॉल के पास है। टीम में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले मोहित टीम में अपने शेयरों का एक हिस्सा किसी अन्य को बेचना चाह रहे हैं।

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर 2027 में ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा टेस्ट मैच

नई दिल्ली।
टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरा होने का जश्न मनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें एक टेस्ट मैच खेलेंगी। यह स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच वर्ष 2027 में ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाएगा।

क्रिकेट के इतिहास में पहला टेस्ट मुकाबला मार्च 1877 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। यह मुकाबला भी मेलबर्न के मैदान पर खेला गया था। पहले टेस्ट मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था। साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में इस खास अवसर पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर स्टैंडअलोन सेलिब्रेशन मैच खेलेंगी। टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए ये ऐलान किया गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले सात ग्रीष्मकाल (2024-25 से 2030-31 तक) के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय टेस्ट, वनडे, टी20 और अन्य मैचों की मेजबानी के अधिकारों के आवंटन की भी घोषणा की है।

आईसीसी के अनुसार ये व्यवस्थाएं सीए और राज्य एवं क्षेत्रीय सरकारों के बीच रणनीतिक साझेदारी की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जो प्रशंसकों और समुदायों के लिए अधिक निश्चितता प्रदान करने के साथ-साथ देशभर में क्रिकेट आयोजनों का विस्तार करने के लिए तैयार की गई हैं। इस व्यवस्था के तहत, एमसीजी वार्षिक बॉक्सिंग डे टेस्ट की मेजबानी की अपनी परंपरा को बनाए रखेगा, जबकि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड नए साल के मैच का आयोजन जारी रखेगा। एडिलेड ओवल 2025/26 सीजन से शुरू होने वाले हर दिसंबर में क्रिसमस टेस्ट की मेज़बानी करेगा, जिसमें डे-नाइट और डे टेस्ट का मिश्रण होगा। इस बीच, पर्थ स्टेडियम ने 2026/27 सीजन तक गर्मियों के पहले पुरुष टेस्ट की मेज़बानी करने के अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। सीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने एक बयान में कहा कि हमें दीर्घकालिक मेजबानी अधिकारों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है, जो अगले सात वर्षों में कुछ शानदार क्रिकेट मैचों के स्थानों के बारे में निश्चितता प्रदान करते हैं।

हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि देश भर में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ स्थानों पर सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला जाएगा, जिसमें प्रतिष्ठित टेस्ट मैचों का शानदार मिश्रण, वेस्ट टेस्ट और क्रिसमस टेस्ट जैसे नए ब्लॉकबस्टर और रोमांचक दिन-रात के मैच शामिल हैं। मार्च 2027 में एमसीजी में टेस्ट फॉर्मेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने का मैच अद्भुत उत्सव होगा और हम उस अवसर पर इंग्लैंड की मेजबानी करने का इंतजार नहीं कर सकते।

रबाडा-केशव की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया, सीरीज भी 1-0 से जीती

गयाना।
कासिगो रबाडा और केशव महजाराज के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने मेजबान वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 40 रनों से हराकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इस मैच में जीत के लिए मिले 263 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम अपनी दूसरी पारी में 222 रनों पर ही आउट हो गयी। स्पिनर केशव और तेज गेंदबाज रबाडा ने तीन-तीन विकेट लिए।

वहीं वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने 45 रन बनाये पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इससे पहले तीसरे दिन सुबह मेहमान टीम अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रनों से आगे खेलते हुए 23 रन और जोड़कर 246 रनों पर आउट हो गयी। इसके बाद मेजबान टीम को जीत के लिए 263 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। कगिसो रबाडा ने सलामी बल्लेबाज लुइस को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद कप्तान क्रेग ब्रैथवेट ने स्कोर को आगे बढ़ाया पर वह भी 25 रनों पर ही आउट हो गये। मेजबान टीम ने इसके बाद लगातार विकेट खोये। ऐसे में जोशुआ दा सिल्वा 27 और मोती 45 ने सातवें विकेट के लिए 77 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करके अपनी टीम को आगे बढ़ाने का प्रया स किया लेकिन केशव महाराज ने दोनों बल्लेबाजों को पेवे लियन भेजकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

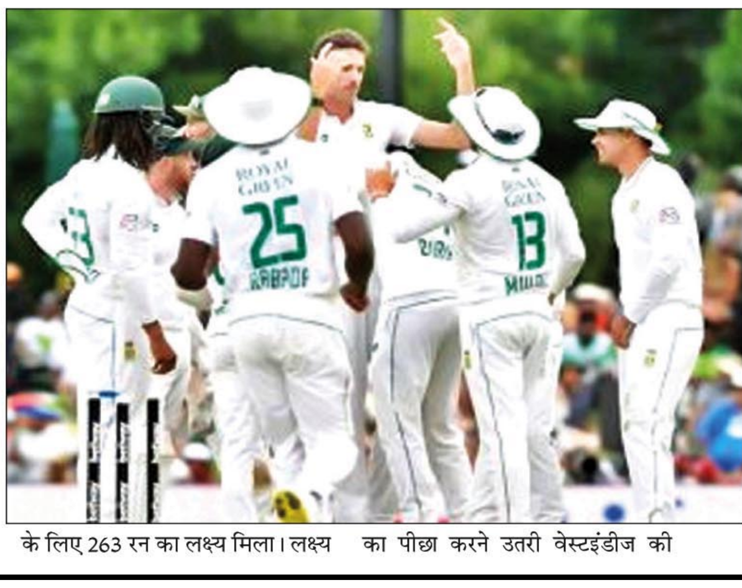

केशव महाराज दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर बने, टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड तोड़ा

दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। केशव ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की इस सीरीज में कुल 13 विकेट लिए। इसी के साथ ही केशव अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर बन गए हैं। केशव ने इसी के साथ ही दिग्गज ह्यूग टेफील्ड का 64 साल पुराना रिकार्ड भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनरों में अब केशव 171 विकेट के साथ ही नंबर एक पर पहुंच गये हहैं। उन्होंने यह विकेट 52 मैचों में 30.78 के औसत और 58.9 के स्ट्राइक रेट के साथ लिए हैं। वहीं 1949 से 1960 तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलने वाले ह्यूग टेफील्ड ने अपने टेस्ट करियर में 170 विकेट लिए हैं। इस प्रकार छह दशक के बाद उनका रिकार्ड टूटा है। वहीं सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज पॉल एडम्स हैं एडम्स के नाम 134 विकेट हैं।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

अपने खान-पान में करें इन चीजें परहेज

शिमला मिर्च में ऑक्सलेट के क्रिस्टल्स पाए जाते हैं जो कैल्शियम में जाकर मिल जाते हैं। इससे कैल्शियम ऑक्सलेट के क्रिस्टल बनते हैं। यही बाद में पथरी बनाते हैं। इसलिए यदि शिमला मिर्च कम खाएंगे तो पथरी से बचे रहेंगे। ऑक्सलेट काफी मात्रा में टमाटर में पाए जाते हैं। इसलिए टमाटर का इस्तेमाल करते समय बीजों को निकाल दें। ऑक्सलेट से भरपूर चॉकलेट को कम से कम खाएं।

क्या मटके में रखा पानी पीना सुरक्षित है?

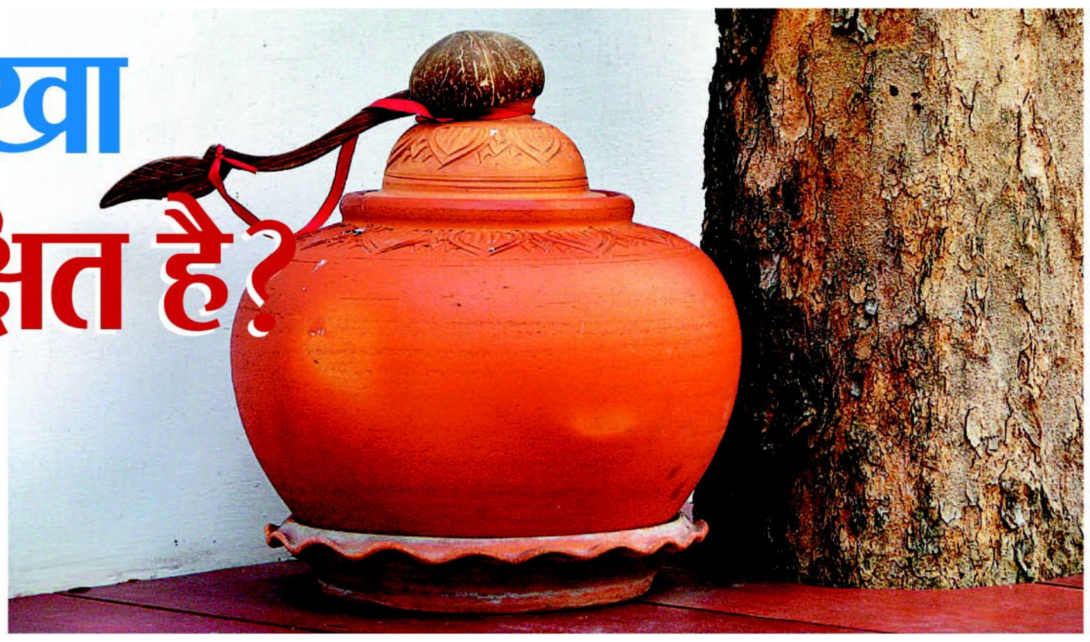

पारंपरिक रूप से मटके का पानी गले के लिए अच्छा होता है तथा फ्रिज के ठन्डे पानी की तुलना में इसका सेवन करना कहीं अधिक अच्छा होता है। आपने देखा होगा कि आपके परिवार के सदस्य केवल मटके का पानी पीने की सलाह देते हैं ताकि आप बीमार न पड़ें।

यदि आपको अक्सर सर्दी, खांसी और गले की खराश की समस्या रहती है तो वे ऐसा महसूस करते हैं कि मटके का पानी पीना आपके लिए ठीक नहीं है।

यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि स्टोर किए गए पानी को पहले उबालना और छानना चाहिए। इस पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा होने दें। जब यह पानी कमरे के तापमान पर पहुंच जाए तो फिर आप इसे मटके या सुराही में एकत्रित करके रख सकती हैं।

ध्यान में रखने योग्य कुछ बातें

1. अपने मटके या सुराही को कीटाणु रहित रखें। मिट्टी का घड़ा में मैल जल्दी एकत्रित होता है। अच्छा होगा यदि हर उपयोग के बाद आप मटके को पहले घिस कर साफ करें, सुखाएं और उसके बाद ही उसमें पानी भरें।
2. कई लोग सुराही में पानी एकत्रित करते हैं। सुराही एक मिट्टी का बर्तन होता है जिसकी गर्दन बहुत संकरी होती है। लोगों को चौड़े मटके की तुलना में पानी एकत्रित करने के लिए यह अधिक अच्छी लगती है।
3. बाजार में कई तरह के मिट्टी के मटके उपलब्ध हैं। सुराही छोटी होती है जिसे संभालना आसान होता है जबकि मटके या घड़े को उठाना कठिन होता है।
4. कई लोग ऐसी सुराही रखते हैं जिसमें छोटा नल लगा हो क्योंकि इनका उपयोग करना बहुत आसान होता है।
5. यदि आप मटके का उपयोग करते हैं तो धूल, कीड़ों तथा अन्य प्रदूषकों से पानी को बचाने के लिए इसे हमेशा ढक कर रखें।
7. मटके से पानी निकालने के लिए साफ सुथरे, लंबे करछुल का उपयोग करें। गिलास डुबाने से पानी को हाथ लगाने से पानी गंदा हो सकता है। ध्यान रखें कि मटके में कोई दरार न हो या इसके छिलके न निकलें हों तथा यदि आपके मटके से पानी लीक हो रहा हो तो इसे बदल दें।

दांतों को चमकाने में मददगार है डेब्राइडमेंट

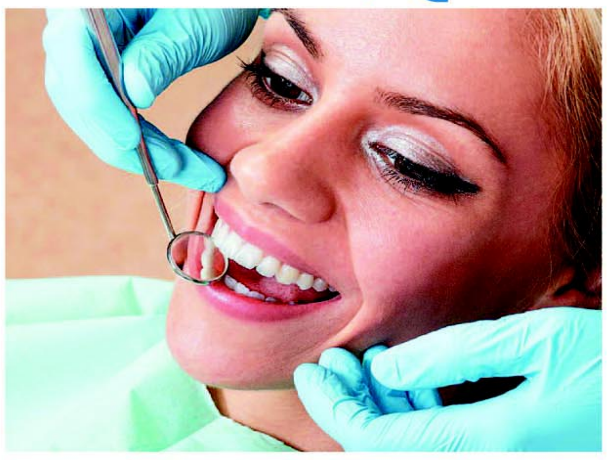

डेब्राइडमेंट वह प्रक्रिया है जिसके तहत आपके दांतों से अतिरिक्त प्लेक और टारटार को निकाला जाता है। जिन लोगों के दांतों पर अतिरिक्त प्लेक एवं टारटार (कैलकलस) जम जाते हैं, उनके लिए डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया जरूरी होती है। कई मामलों में दांतों पर प्लेक और टारटार का जमाव इतना गाढ़ा हो जाता है कि डेंटिस्ट के लिए ठीक से दांत भी देख पाना मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में दांत की जांच एवं इलाज से पूर्व डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया के जरिए प्लेक और टारटार को हटाना जरूरी हो जाता है।

डेब्राइडमेंट की तैयारी

अगर आप दर्द बर्दाश्त नहीं कर सकते तो इस प्रक्रिया से पूर्व आपको लोकल एनेस्थीसिया (सुन्न/बेहोश करने की दावा) दी जा सकती है। कुछ लोगों को डिब्राइडमेंट की प्रक्रिया से पूर्व नाइट्रस आक्साइड इत्यादि जैसी बेहोशी की दवा की भी जरूरत पड़ती है। जो लोग दांत के इलाज की प्रक्रिया से घबराते हैं, उनके लिए सुन्न करने की दवा या बेहोशी की दवा जरूरी हो जाती है।

कब मिलें डेंटिस्ट से

- अगर आपको निम्नलिखित कोई शिकायत हो तो डेंटिस्ट को दिखलाएं
- अगर लम्बे समय से खून रिस/बह रहा हो।
- अगर आपको दांतों या मसूड़ों का कोई भाग संक्रामक हो गया हो
- मुंह के किसी भी भाग में सूजन या किसी तरह का डिस्चार्ज हो रहा हो।
- निचले जबड़े या गर्दन के लिम्फ नोड्स में जब सूजन आ गई हो।

डेब्राइडमेंट कैसे किया जाता है

डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया में हाथ के उपकरण के साथ-साथ अल्ट्रासानिक यन्त्र का इस्तेमाल भी किया जाता है। इन यंत्रों के जरिए पानी एवं हाई फ्रिक्वेंसी आपरेशन का इस्तेमाल करके दांतों में से प्लेक और टारटार को हटाया जाता है।

नियमित रूप से इलाज (फालो अप)

पेरियोडांटल इलाज में डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया पहले अपनाई जाती है। नियमित रूप से आप डेंटिस्ट के पास जाते रहें। ऐसा करने से वे आपके दांतों की फिर से जांच कर सकेंगे और उसी अनुसार इलाज करेंगे। तत्पश्चात् स्केलिंग और रूट प्लानिंग या पेरियोडांटल सर्जरी जैसे उपचार किए जा सकते हैं।

खतरा अगर आपके मसूड़े प्लेक से प्रभावित हैं या प्लेक के कारण सूज गए हैं, तो डेब्राइडमेंट की प्रक्रिया करते समय उनमें से खून बह सकता है। डेब्राइडमेंट से उपचार के दौरान आपके दांत ठन्डे या गर्म खाने के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं। चूंकि आपके दांतों की जड़ों से प्लेक और टारटार हट जाता है इसलिए दांतों के जड़ जैसे हीं खाद्य पदार्थ के संपर्क में आतें हैं, आप दांतों में अजीब तरह की सनसनाहट महसूस करने लगते हैं। डेब्राइडमेंट से संक्रमण का भी खतरा बना रहता है। लेकिन ऐसे मामले बहुत कम पाए जाते हैं।

डेंगू-चिकनगुनिया होने पर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

डेंगू और चिकनगुनिया में प्लेटलेट्स काफी कम हो जाते हैं। इस पर नियंत्रण पाने के लिए पपीते के पत्ते खासतौर से बेहद असरदार साबित रहते हैं। इसमें मौजूद पपेन शरीर के पाचन को सही रखता है। इसका जूस पीने से प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ते हैं। डेंगू और चिकनगुनिया को दूर भगाने के लिए नारियल का पानी भी बेहद फायदेमंद साबित होता है। लिहाजा जब इस तरह की बीमारी आपको जकड़े तो जमकर नारियल के पानी का सेवन करें। इससे डेंगू के बुखार में आराम मिलता है।

नारियल पानी में मौजूद जरूरी पोषक तत्व जैसे मिनरल्स और एलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तुलसी के पत्ते भी काम में लिए जा सकते हैं। तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें। ठंडा करके पीएं। इससे वायरल इंफेक्शन ठीक होता है। डेंगू के बुखार में मेथी की पत्तियां उबालकर चाय बनाकर पीना भी फायदेमंद रहता है। इससे डेंगू का वायरस दूर होता है। इसी तरह से काली मिर्च के साथ तुलसी के पत्तों को उबाल लें। ये पानी एंटी बैक्टीरियल होता है। इसे पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

नौकरी पेशा लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा

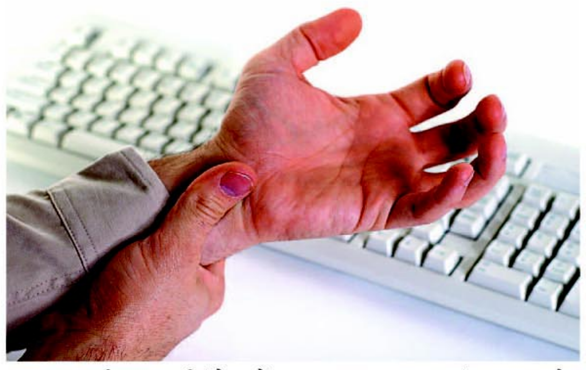

कोई भी जॉब हो, आजकल हर काम कम्प्यूटर पर ही सबसे ज्यादा होता है ऐसे में लोग, 8 से भी ज्यादा घंटे कम्प्यूटर या लैपटॉप के सामने बिता देते हैं। ऐसे में हर किसी का लाइफस्टाइल भी काफी अनहेल्दी हो जाता है और उन्हें कई प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। कॉरपोरेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों को नौकरी के तनाव, अस्वास्थ्यकारी जीवनशैली, गलत तरीके से बैठने के कारण भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

नौकरी करने वाले लोगों में कार्पेल ट्नल सिंड्रोम सबसे ज्यादा होता है जिसके बारे में हाल ही में किए गए सर्वे से पता चला है। आइए जानते हैं इसके बारे में कुछ खास बातें-

1. कार्पल टनल सिंड्रोम का प्रभाव, व्यक्ति के मीडियन नर्व पर पड़ता है जो कि हाथ या कलाई पर पड़ने वाले दबाव की वजह से होता है। इससे मीडियन नर्व में सूजन आ जाती है।

2. कार्पल टनल सिंड्रोम, में सुन्नपन आ जाता है और दर्द होने लगता है। हाथों, कलाई और उंगलियों में काफी दर्द होने लगता है।

3. हाल ही में एक हुई एक रिसर्च स्टडी से पता चला है कि कार्पल टनल सिंड्रोम, कॉरपोरेट सेक्टर के लोगों में ज्यादा होता है जो कि कम्प्यूटर पर ज्यादा समय बिताते हैं।

4. कार्पल टनल सिंड्रोम, कलाई पर जोर पड़ने की वजह से सबसे ज्यादा होता है क्योंकि रक्त का संचार रूक जाता है।

5. कार्पल टनल सिंड्रोम, उन लोगों में भी देखने को मिलता है जो सिलाई, सफाई, खाने को प्रसंस्करण करने का काम करते हैं। क्योंकि उन लोगों के हाथ भी हमेशा चलते रहते हैं।

6. कार्पल टनल सिंड्रोम की वजह से आर्थराइटिस जैसी बीमारी होने का खतरा भी बढ़ जाता है, अगर इस सिंड्रोम का सही समय पर इलाज न करवाया जाएं।

7. कुछ देशों में, कर्मचारियों को कार्पल टनल सिंड्रोम होने पर उन्हें इक्विटी एक्ट 2010 के तहत कवर भी मिल जाता है क्योंकि उनके काम की वजह से उन्हें यह समस्या झेलनी पड़ी।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

युवा हमेशा से अपने कॅरियर को लेकर काफी गंभीर होते हैं, क्योंकि कॅरियर के चुनाव से ही उनके जिंदगी की कामयाबी जुड़ी होती है। ऐसे में वे इसमें बहुत सावधानी बरतते हैं। इन दिनों आर्ट रिस्टोरर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। एक आर्ट रिस्टोरर बनकर आप सम्मानजनक वेतन हासिल कर सकते हैं। इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं ।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

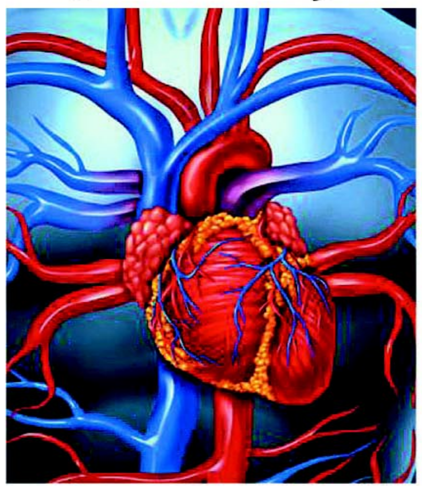

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

रेसिपी

चना दाल टिक्की

साम्रगी

250 ग्राम चना दाल (भिगोई हुई), 50 ग्राम प्याज, 1 टेबल स्पून अदरक, 1 टेबल स्पून हरी मिर्च(कटी हुई), 1 टी स्पून लाल मिर्च, 1 टी स्पून सौंफ, 1 टी स्पून जीरा, 1 टी स्पून नमक

विधि

मिक्सी में चने की दाल को डाल कर अच्छी तरह ग्राइड करके पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को एक बाउल में निकाल लें। इस पेस्ट में प्याज, अदरक, हरी मिर्च, लाल मिर्च, सौंफ, जीरा और नमक डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। अब इस पेस्ट की टिक्कियां बना लें। फिर तेल में इसे फ्राई करें। इसे तब तक फ्राई करे जब तक यह क्रिस्पी न हो जाएं। चना दाल टिक्की तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

पनीर एण्ड लैट्यूस रोल

सामग्री

भरावन मिश्रण के लिए: 2 स्पून बहुत बारीक कटा लहसुन, 1 स्पून बहुत बारीक कटा अदरक, 2 स्पून बारीक कटा हरा प्याज़ पत्तो सहित 1/4 कप बारीक कटी गाजर, 1/4 कप बारीक कटी बंदगोभी, 1/4 कप मोटे कटे बीन प्राउट्स, 1/4 कप कटा कम वसा वाला पनीर, 1/2 स्पून नींबू का रस, 1 स्पून सोया सॉस, नमक स्वाद अनुसार, 1/4 स्पून चिली फ्लेक्स, 2 स्पून तेल। **अन्य सामग्री:** 6 सलाद के पत्ते, 3 स्पून भुनी और दरदरी कुटी मूंगफली

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक नॉन-स्टिक कड़ाही में तेल गरम कीजिए। लहसुन, अदरक और प्याज डालकर प्याज़ के पारदर्शी होने तक भूनिए। गाजर और बंदगोभी डालकर अच्छी तरह मिलाइए और 2 से 3 मिनट भूनिए। बीन प्राउट, पनीर, नींबू का रस, सोया सॉस, नमक तथा चिली फ्लेक्स् डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और मध्यम आंच पर थोड़ा सा पकाइए। मिश्रण को 6 बराबर भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: सलाद के पत्तो को धो कर अच्छी तरह तौलिए से सुखाकर एक तरफ रख दीजिए। सलाद के पत्ते को सूखी, साफ और समतल जगह पर रखिए और पत्ते के एक कोने में भरावन मिश्रण का एक भाग रखिए। मिश्रण पर ½ टेबल-स्पून मूंगफली डालिए और पत्ते को रोल कीजिए। भरावन मिश्रण बाहर न निकले इसके लिए पत्ते को टूथिक या हरे प्याज के हरे भाग से बांधकर बंद कर दीजिए। शेष बची सामग्री के साथ यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 5 रोल बनाइए। तुरंत परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**